मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

रांची, गुरुवार, 20 अगस्त 2026

संवत 2083, श्रावण शुक्ल 8 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 337 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

सांध्य दैनिक

4 भारत की आजादी में वीर बलिदानियों व महापुरुषों की भूमिका

रुक्मिणी वसंत ने शुरु की अपनी अगली फिल्म शूटिंग की 6

हाईकोर्ट पहुंचा परीक्षा रद्द करने का मामला,जेपीएससी समेत अलग-अलग नियुक्तियों को चुनौती

संवाददाता

रांची: झारखंड में जेपीएससी और जेएसएससी की विभिन्न भर्ती परीक्षाओं को रद्द करने के राज्य सरकार के फैसले के खिलाफ अब कानूनी लड़ाई शुरू हो गई है। झारखंड हाईकोर्ट में 11वीं से 13वीं जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा समेत अलग-अलग नियुक्तियों को रद्द किए जाने के खिलाफ अब तक कुल तीन याचिकाएं दायर हो चुकी हैं। इनमें दो याचिकाएं 11वीं से 13वीं जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा के परिणाम और उसके आधार पर हुई नियुक्तियों को रद्द करने के खिलाफ हैं, जबकि तीसरी याचिका फूड सेफ्टी ऑफिसर की नियुक्ति रद्द किए जाने से संबंधित है।

11वीं से 13वीं जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा की सफल अभ्यर्थी सोनम कुमारी ने अपनी याचिका में कहा है कि उन्होंने झारखंड में नौकरी के लिए अपनी दूसरी नौकरी छोड़ दी थी। उन्हें 24 नवंबर 2025 को नियुक्ति पत्र मिला था और उन्होंने प्रशिक्षण भी पूरा कर लिया था। इसके बाद 18 अगस्त 2026 को राज्य सरकार की ओर से जारी अधिसूचना के बाद उनकी नियुक्ति रद्द कर दी गई। याचिका में सरकार के इस फैसले को रद्द करने की मांग की गई है। बताया गया है कि 11वीं से 13वीं जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में कुल 342 अभ्यर्थी सफल हुए थे और वे विभिन्न पदों पर नियुक्त होकर काम कर रहे थे। सरकार के परीक्षा रद्द करने के फैसले के बाद इन अभ्यर्थियों की नौकरी पर संकट खड़ा हो गया है।

दरअसल, जेपीएससी और जेएसएससी की परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर लंबे समय से चल रहे छात्रों के आंदोलन के बाद सरकार ने कई परीक्षाओं को रद्द करने का फैसला लिया है। सरकार के इस निर्णय से प्रभावित नवनियुक्त अभ्यर्थियों ने अब न्यायालय का दरवाजा खटखटाना शुरू कर दिया है। हाईकोर्ट में अलग-अलग अधिवक्ताओं के माध्यम से जेपीएससी परीक्षा के जरिए चयनित होकर नौकरी कर रहे अभ्यर्थियों ने राज्य सरकार के आदेश को चुनौती दी है। इनमें अवधेश कुमार समेत अन्य की ओर से भी याचिका दायर की गई है। दो याचिकाओं में हाईकोर्ट के अधिवक्ता इंद्रजीत सिन्हा और पीयूष चित्रेश प्रार्थियों का पक्ष रखेंगे। हालांकि, अभी इन याचिकाओं को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध नहीं किया गया है। जब इन मामलों की सुनवाई शुरू होगी, तब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि हाईकोर्ट सरकार के परीक्षा और नियुक्तियां रद्द करने के फैसले पर क्या रुख अपनाता है।

'जैसे को तैसा', पाकिस्तान ने बैरिकेड्स हटाए तो दिल्ली में चला बुलडोजर, पाक हाई कमीशन का सुरक्षा घेरा ध्वस्त

नई दिल्ली : पाकिस्तान हाई कमीशन के बाहर भारतीय अधिकारियों ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बाहरी सुरक्षा घेरे को हटा दिया है। इस कार्रवाई के तहत डिप्लोमैटिक कंपाउंड के चारों तरफ लगाए गए ट्रैफिक बॉलार्ड्स और कंक्रीट के बैरिकेड्स को बुलडोजर और क्रेन की मदद से पूरी तरह हटा दिया गया। यह कदम इस्लामाबाद में स्थित भारतीय हाई कमीशन के बाहर पाकिस्तानी अधिकारियों द्वारा सुरक्षा बैरिकेड्स हटाए जाने के ठीक तीन दिन बाद उठाया गया है। इसे दोनों पड़ोसी देशों के बीच एक स्पष्ट जवाबी कार्रवाई के रूप में देखा जा रहा है।

यूएस राजदूत की जम्मू-कश्मीर पर टिप्पणी पर पाकिस्तान को आपत्ति: संयोग से, ये घटनाक्रम ऐसे समय में हुए हैं जब भारत में यूएस राजदूत सर्जियो गोर की जम्मू-कश्मीर की पहली यात्रा और उनके द्वारा इस केंद्र शासित प्रदेश को भारत का अहम हिस्सा बताए जाने से पाकिस्तान काफी परेशान दिख रहा है। बुधवार को श्रीनगर की अपनी यात्रा के दौरान, गोर ने जम्मू-कश्मीर को भारत का अहम हिस्सा बताया और इलाके की प्राकृतिक सुंदरता की तारीफ की। उनकी इस टिप्पणी पर इस्लामाबाद की ओर से कड़ी प्रतिक्रिया आई। गोर, जो ट्रंप प्रशासन में दक्षिण और मध्य एशिया के लिए विशेष दूत भी हैं, ने श्रीनगर का दौरा किया और डल झील में शिकारा की सवारी की। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा केंद्र शासित प्रदेश में सुरक्षा बेहतर करने के लिए उठाए गए कदमों को देखते हुए, अमेरिका जम्मू-कश्मीर के लिए अपनी ट्रैवल एडवाइजरी पर फिर से विचार कर सकता है।

पाकिस्तान ने यूएस डिप्लोमैट को किया तलब: गोर की टिप्पणी के कुछ घंटों बाद, पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने इस्लामाबाद में वर की चार्ज डी अफेयर्स नताली बेकर को तलब किया और राजदूत की टिप्पणियों पर कड़ा विरोध दर्ज कराया।

विधानसभा कर्मी ने धुर्वा डैम में कूदकर दी जान, गाड़ी-चप्पल से हुई पहचान, एनडीआरएफ करेगी रेस्क्यू

संवाददाता

रांची : राजधानी रांची के धुर्वा थाना क्षेत्र स्थित धुर्वा डैम में झारखंड विधानसभा के एक कर्मी ने कथित तौर पर कूदकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान बुलंद अख्तर के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलने के बाद धुर्वा पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। डैम के किनारे से पुलिस ने एक गाड़ी, चप्पल और बरसाती बरामद की है। बरामद सामानों के आधार पर मृतक की पहचान की गयी।

एनडीआरएफ करेगी डैम में रेस्क्यू, आत्महत्या की आशंकाः पुलिस ने शव की तलाश और उसे डैम से बाहर निकालने के लिए एनडीआरएफ को सूचना दी है। टीम के पहुंचने के बाद डैम में रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जायेगा। पुलिस के अनुसार, प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। हालांकि, घटना के पीछे के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। घर से निकले थे, वापस नहीं लौटे बताया गया कि बुलंद अख्तर बुधवार को अपने घर से निकले थे। इसके बाद वह देर शाम तक वापस नहीं लौटे।

धुर्वा डैम के किनारे मिली गाड़ी, सामान से हुई मृतक की पहचान : रिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। इसी दौरान धुर्वा डैम के किनारे उनकी गाड़ी और अन्य सामान मिलने की जानकारी पुलिस को मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने सामान को कब्जे में लेकर जांच की, जिसके बाद मृतक की पहचान बुलंद अख्तर के रूप में हुई। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शव मिलने और पोस्टमार्टम के बाद मामले में आगे की जांच की जायेगी।

परिजनों से पूछताछ जारी है: परिजनों से भी पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि बुलंद अख्तर ने यह कदम क्यों उठाया। फिलहाल एनडीआरएफ की टीम के पहुंचने का इंतजार किया जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

वैवाहिक विवाद में बच्चे का हो सकता है डीएनए टेस्ट

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने वैवाहिक विवाद से जुड़े एक अहम फैसले में कहा है कि कुछ परिस्थितियों में शादी के दौरान जन्मे बच्चे के पितृत्व की जांच के लिए डीएनए टेस्ट कराया जा सकता है। अदालत ने यह फैसला उस मामले में सुनाया, जिसमें पति ने पत्नी पर बेवफाई का आरोप लगाते हुए तलाक की मांग की थी और दावा किया था कि वह बच्चे का जैविक पिता नहीं है।

जस्टिस एमएम। सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना बी। वराले की पीठ ने महिला की याचिका खारिज कर दी। महिला ने बच्चे के पितृत्व परीक्षण का विरोध करते हुए कहा था कि किसी व्यक्ति को जबरन डीएन टेस्ट कराने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। उसने मांग की थी कि पति की तलाक याचिका पर बिना डीएनए टेस्ट के फैसला किया जाए।

सुनवाई के दौरान अदालत ने पूछा कि अगर महिला अपने पति के प्रति वफादार है, तो फिर उछअ टेस्ट का विरोध करने की जरूरत क्यों है। सुप्रीम कोर्ट ने पुणे की फैमिली कोर्ट और बॉम्बे हाई कोर्ट के उन आदेशों को बरकरार रखा, जिनमें पति की तलाक की कार्यवाही के दौरान डीएनए टेस्ट कराने का निर्देश दिया गया था।

पति का दावा था कि पत्नी पर लगाए गए बेवफाई के आरोपों को साबित करने के लिए बच्चे का डीएनए टेस्ट जरूरी है।

पति ने इससे पहले निजी तौर पर हैदराबाद की एक लैब में डीएनए टेस्ट कराया था। रिपोर्ट में कथित तौर पर सामने आया कि उसके बच्चे का जैविक पिता होने की संभावना शून्य है। इसके बाद पति ने इस रिपोर्ट को अदालत में पेश किया और तलाक की याचिका में पत्नी पर बेवफाई का आरोप लगाया।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने माना था कि निजी डीएनए टेस्ट की रिपोर्ट अदालत के निर्देश पर दोबारा डीएनए परीक्षण कराने के लिए पर्याप्त आधार है। हाई कोर्ट के मुताबिक, इस मामले में यह जांच महत्वपूर्ण हो सकती है कि बच्चा पति का जैविक बेटा है या नहीं।

सुप्रीम कोर्ट ने अब हाई कोर्ट के आदेश को बरकरार रखते हुए बच्चे के पितृत्व की जांच के लिए डीएनए टेस्ट कराने का रास्ता साफ कर दिया है। अदालत के इस फैसले को वैवाहिक विवादों में डीएनए परीक्षण की भूमिका को लेकर महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सुलझी कत्ल की गुत्थी

डांट से नाराज 10वीं के 2 छात्रों ने प्रिंसिपल को 27 बार घोंपा चाकू

अगरतला : तेलंगाना के नालगोंडा जिले के कोंडामल्लेपल्ली में स्कूल प्रिंसिपल कल्लू रूपा रेड्डी की सनसनीखेज हत्या की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। पुलिस के मुताबिक, 10वीं कक्षा के दो नाबालिग छात्रों ने लूटपाट के इरादे से प्रिंसिपल की हत्या की थी। दोनों छात्र एक ही हॉस्टल में रहते थे और कथित तौर पर महंगे फोन, बाइक और मौज-मस्ती के शौकीन थे। प्रिंसिपल ने उन्हें पैसे खर्च करने को लेकर फटकार लगाई थी और परिजनों को इसकी जानकारी देने की चेतावनी दी थी, जिसके बाद दोनों उनसे नाराज थे।

पुलिस के अनुसार, 11 अगस्त को रूपा रेड्डी की उनके घर में बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। आरोपियों ने उन पर चाकू से करीब 27 वार किए और फिर घर से नकदी और मोबाइल फोन लेकर फरार हो गए। हत्या से कुछ समय पहले रूपा रेड्डी ने अपनी मौसी से फोन पर बात की थी। फोन कटने से पहले उन्होंने आखिरी शब्द बाबू कहा था। यह शब्द पुलिस जांच में अहम सुराग बन गया।

जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि स्कूल में छात्रों को आमतौर पर बाबू कहकर संबोधित किया जाता था। इसके बाद पुलिस ने जांच का रुख स्कूल के छात्रों की ओर किया। करीब 13 छात्रों को चिन्हित किया गया और उनमें से 5 से पूछताछ की गई। इसी दौरान 10वीं कक्षा के दो छात्रों पर शक गहराया, क्योंकि वे अचानक काफी पैसे खर्च कर रहे थे और मौज-मस्ती कर रहे थे।

पुलिस ने इलाके के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। डोनियाला एक्स रोड पर बाइक से जा रहे दोनों छात्रों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पुलिस के मुताबिक, उनके पास से 1।54 लाख रुपये नकद मिले। इनमें 500 रुपये के तीन नोटों पर कथित तौर पर खून के धब्बे मिले।

पूछताछ के दौरान दोनों छात्रों ने कथित तौर पर प्रिंसिपल की हत्या और नकदी चोरी करने की बात स्वीकार की।

पुलिस जांच में सामने आया कि दोनों छात्रों ने हत्या से करीब एक सप्ताह पहले प्रिंसिपल के घर की रेकी की थी। वारदात वाले दिन उन्होंने कोंडामल्लेपल्ली में कपड़े बदले, चाकू और दस्ताने खरीदे और घर के सामने लगे सीसीटीवी कैमरे से बचने के लिए पीछे के रास्ते से घर में दाखिल हुए।

पुलिस के मुताबिक, प्रिंसिपल ने दोनों छात्रों को पहचान लिया था। इसके बाद दोनों ने उन पर चाकू से कई वार किए। हत्या के बाद वे नकदी और मोबाइल फोन लेकर पीछे के रास्ते से फरार हो गए।

जांच में पता चला कि दोनों आरोपी छात्र एक ही हॉस्टल के कमरे में रहते थे। उन्हें महंगे मोबाइल, बाइक और मौज-मस्ती का शौक था। पुलिस के अनुसार, दोनों सोशल मीडिया और यू-ट्यूब के जरिए जल्दी पैसा कमाने के तरीके तलाश रहे थे।

हॉस्टल में उनके बैग से एक फोन और कुछ रुपये मिलने के बाद प्रिंसिपल ने उन्हें क्लास में फटकार लगाई थी। उन्होंने छात्रों के परिजनों को इसकी जानकारी देने की चेतावनी भी दी थी। इसी बात को लेकर दोनों छात्र प्रिंसिपल से नाराज थे।

पुलिस जांच में सामने आया कि दोनों छात्रों ने हत्या से करीब एक सप्ताह पहले प्रिंसिपल के घर की रेकी की थी। वारदात वाले दिन उन्होंने कोंडामल्लेपल्ली में कपड़े बदले, चाकू और दस्ताने खरीदे और घर के सामने लगे सीसीटीवी कैमरे से बचने के लिए पीछे के रास्ते से घर में दाखिल हुए।

दवाड़ा टनल में दो ट्रकों के बीच भीषण टक्कर, 4 की मौत, 8 घायल

मंडी: चांडीगढ़ - मनाली राष्ट्रीय राजमार्ग पर दवाड़ा टनल में गुरुवार को दो ट्रकों के बीच हुई भीषण टक्कर में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि हादसे में आठ लोग घायल हो गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार हादसे का कारण तेज रफ्तार बताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि टनल के भीतर दोनों ट्रक आमने-सामने टकराए हैं। टक्कर के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 2 लोगों को उपचार के लिए जब अस्पताल पहुंचाया गया, तो डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। आठ लोग गंभीर घायल है, जिनका उपचार चल रहा है।

पुलिस से मिली सूचना के अनुसार पंजाब नंबर के ट्रक में 9 लोग सवार थे, वहीं दूसरे ट्रक में दो लोग सवार थे। इस हादसे में कुल मिलाकर 11 लोग हादसे का शिकार हुए हैं। सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और पुलिस टीम मौके पर पहुंची तथा राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को 108 एंबुलेंस की मदद से उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल नगवाईं पहुंचाया गया, जहां से तीन लोगों को नेरचौक मेडिकल कॉलेज में रैफर किया गया है। हादसे के बाद एनएच पर कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सडक से हटाने की कार्रवाई शुरू की। दोनों ट्रकों की टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वाहनों के अगले हिस्से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे के बाद टनल के अंदर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आसपास मौजूद लोगों ने घायलों को बाहर निकालने में मदद की।

पुलिस ने शुरू की जांचः पुलिस थाना औट की टीम ने हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर तेज रफ्तार को दुर्घटना का कारण माना जा रहा है। हालांकि हादसे की वास्तविक वजह पुलिस जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगी। मृतकों और घायलों की पहचान संबंधी जानकारी जुटाई जा रही है।

'वंदे मातरम' के सिर्फ दो पद गाने के फैसले पर कांग्रेस अडिग बीजेपी का विपक्ष पर हमला- 'ये नई मुस्लिम लीग है'

- कांग्रेस का पूरा वंदे मातरम न गाना देशविरोधी: शाह
- उन्होंने 1937 में राष्ट्रगीत के दो टुकड़े कर मुस्लिम तुष्टीकरण किया और विभाजन की नींव डाली

नई दिल्ली (एजेंसी): राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' को लेकर छिड़ा राजनीतिक विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। कांग्रेस ने स्पष्ट कर दिया है कि वह भविष्य में अपने सभी पार्टी कार्यक्रमों में 'वंदे मातरम' के केवल शुरूआती दो पद ही गाएगी। यह फैसला नई दिल्ली में आयोजित कांग्रेस वर्किंग कमेटी की चार घंटे चली बैठक में लिया गया। कांग्रेस के इस कदम पर सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी ने तीखा हमला बोला है और पार्टी पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया है।

हालांकि, कांग्रेस के इस फैसले की सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी ने कड़ी आलोचना की है। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कांग्रेस पर वोटों के लिए नई मुस्लिम लीग बनने का आरोप लगाया। गुरुवार सुबह एक्स पर हिंदी में किए गए एक पोस्ट में नवीन ने कांग्रेस पर 'भारत मां' का अपमान करने का आरोप लगाया और कहा कि यह उनकी नीति का हिस्सा है।

राज्यसभा सदस्य ने कहा, 'भारत माता' के पवित्र आह्वान का यह अपमान उन हजारों शहीदों का अनादर है, जिन्होंने इसी गीत को अपने मन में बसाकर देश के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी। कांग्रेस ने अब (वंदे मातरम के) अपमान को एक प्रस्ताव का रूप दे दिया है। उसकी वर्किंग कमेटी ने तय किया है कि कांग्रेस के मंचों पर वंदे मातरम के सिर्फ.शुरूआती दो पद ही गाए जाएंगे।

उन्होंने आगे कहा, कांग्रेस आज नई मुस्लिम लीग बन गई है।।। आज वही अपमान कांग्रेस की नीति बन गया है। यह सिर्फ. राजनीतिक बचाव नहीं है, बल्कि उस वोट बैंक की भूख का सबूत है, जिसकी वेदी पर कांग्रेस ने बार-बार देश के आत्म-सम्मान को गिरवी रखा है।

'वंदे मातरम' पर बहसः बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने सभी सरकारी कार्यक्रमों में 'वंदे मातरम' का पूरा संस्करण गाना अनिवार्य कर दिया है, जिस कदम की कांग्रेस ने आलोचना की है। कांग्रेस का आरोप है कि बीजेपी ने राष्ट्रीय गीत गाने को राजनीतिक मुद्दा बना दिया है, और उसने दोहराया है कि वह इसके सिर्फ.शुरूआती दो पद ही गाएगी।

यह बहस 15 अगस्त को फिर से शुरू हुई, जब कांग्रेस मुख्यालय का एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें 'वंदे मातरम' का पूरा संस्करण गाया जा रहा था। हालांकि, बीजेपी ने आरोप लगाया कि राज्यसभा सदस्य सोनिया गांधी ने कार्यक्रम के दौरान पूरा वर्शन बजाने से रोकने की कोशिश की, जबकि कांग्रेस ने साफ किया कि सीपीपी चेयरपर्सन सिर्फ. पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के लिए कुर्सी मांग रही थीं। तब से, दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने के आरोप-प्रत्यारोप लगाए हैं। बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा रचित 'वंदे मातरम' की बात करें तो इसे पहली बार 7 नवंबर, 1875 को साहित्यिक पत्रिका 'बंगदर्शन' में प्रकाशित किया गया था।

समाचार सार

चतरा-इटखोरी मार्ग पर दो बाइकों की जोरदार टक्कर

चतराः चतरा-इटखोरी मुख्य मार्ग पर ऊंटा मोड़ के समीप बुधवार की देर शाम दो मोटरसाइकिल की आपसी टक्कर में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक की पहचान चतरा शहर के अंसार नगर निवासी सौफिक उर्फ केनू पिता- मो. सद्दीक के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, सौफिक अपने एक दोस्त के साथ किसी काम से ऊंटा मोड़ गया हुआ था। वहां से वापस अपने घर लौटने के दौरान रास्ते में यह दर्दनाक दुर्घटना हो गई। इस भीषण टक्कर में सौफिक का एक पैर बुरी तरह टूट गया और उसे गहरी चोटें आई। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय ग्रामीणों ने इंसानियत का परिचय देते हुए घायल युवक को आनन-फानन में चतरा सदर अस्पताल पहुंचाया।अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद युवक की नाजुक स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है। समाचार लिखे जाने तक युवक की हालत गंभीर बनी हुई थी।

दि आर्ट ऑफ लिविंग का श्रावण मास महारुद्राभिषेकम पूजा धूमधाम से संपन्न

चतराः दि आर्ट ऑफ लिविंग चतरा चैप्टर के तत्वावधान में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी पवित्र श्रावण मास में वैदिक धर्म संस्थान, बेंगलुरु से अपने वेदाचार्यों के साथ पधारे स्वामी युगराज जी के परम सान्निध्य में स्थानीय गंदौरी मंदिर कैंपस, चतरा स्थित अक्षरा पैलेस में बुधवार प्रातः 7 बजे से बाबा भोलेनाथ जी का महारुद्राभिषेक किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व लिविंग के वैदिक धर्म संस्थान के चतरा समन्वयक व मुख्य यजमान चंद्रशेखर लाल गुप्ता, प्रशिक्षक विकास कुमार स्नेही व जिला विकास समिति सदस्य अमित कुमार ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम में दो दर्जन से अधिक संकल्पित यजमानों सहित सौ से अधिक श्रद्धालु भक्तजनों ने भाग लेकर रुद्राभिषेक पूजा का पुण्यलाभ किया।पूजा के उपरांत सत्संग का नेतृत्व बिकास रॉय, प्रशिक्षिका रेणु रीना, दीपक कुमार व राजेश दुबे ने किया। उन्होंने अपने अपने सुमधुर शिव भजनों से उपस्थित भक्तजनों को भक्तिमय कर दिया।कार्यक्रम के सफल आयोजन में लिविंग के वरीय प्रशिक्षकद्वय दीपक कुमार व श्रीमती रेणु रीना सहित बिपिन जायसवाल, कृष्ण कुमार पाण्डेय, नवल किशोर, मनिता कुमारी, मीना देवी, अन्नपूर्णा गुप्ता, कविता फूलवंती, करुणा जायसवाल, बबिता देवी, मालती मिश्रा, सीमा कुमारी, आर्यन कमल , अनिता कुमारी, राजदेव कुमार, राजेश कुमार, रामप्रकाश कुमार, चन्द्रदेव प्रसाद, सरोज कुमारी, राधिका दीप, रीतिका दीप, आदि का अत्यंत सराहनीय योगदान रहा।

जिला फोटोग्राफी एसोसिएशन ने मनाया विश्व फोटोग्राफी दिवस

चतराः विश्व फोटोग्राफी दिवस के अवसर पर चतरा जिला फोटोग्राफी एसोसिएशन की ओर से मानवीय सामाजिक पहल और सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस विशेष दिन को यादगार बनाने के लिए एसोसिएशन के सदस्यों ने सदर अस्पताल चतरा पहुंचकर मरीजों के बीच फल और बिस्कुट का वितरण किया। अस्पताल में भर्ती मरीजों ने एसोसिएशन की इस मानवीय पहल की काफी सराहना की। इसके पश्चात एसोसिएशन से जुड़े जिले के सभी फोटोग्राफरों ने सामूहिक रूप से केक काटकर एक-दूसरे को विश्व फोटोग्राफी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर चतरा जिला फोटोग्राफी एसोसिएशन द्वारा जिले के तमाम वरिष्ठ फोटोग्राफरों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए अंगवस्त्र और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि फोटोग्राफी समाज का आईना है और वरिष्ठ साथियों का अनुभव नए फोटोग्राफरों का मार्गदर्शन करता है।इनकी रही अहम भूमिका इस पूरे गरिमामयी कार्यक्रम को मुख्य रूप से सुव्यवस्थित और सफल बनाने में चतरा जिला फोटोग्राफी एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष मुकेश कुमार,निलेश कुमार,सोनु कुमार, कृष्णा प्रसाद,भैरो प्रजापति,प्रेम जी,धर्मेंद्र साह, और सुनील प्रजापति की अहम भूमिका रही।कार्यक्रम में जिले के कई अन्य गणमान्य फोटोग्राफर और सदस्य भी मुख्य रूप से उपस्थित थे।

भारत माला परियोजना साइट से चोरी की गई सामग्री बरामद , एक गिरफ्तार

चतराः जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र में सड़क निर्माण में लगी भारत माला परियोजना साईट से मंगलवार को चोरी हुई सामग्री को पुलिस ने 24 घंटे के अंदर बरामद करते हुए चोरी में संलिप्त एक चोर को गिरफ्तार कर लिया। बुधवार को जिला मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में चतरा के एसडीपीओ सन्नी वर्धन ने बताया कि बीते मंगलवार को भारत माला कंपनी में सिक्योरिटी इंचार्ज के पद पर कार्यरत सोनू कुमार शुक्ला ने स्थानीय थाना में लिखित आवेदन देकर बताया था कि उनके सड़क निर्माण साईट से चोरो द्वारा सामग्री की चोरी कर ली गई है। शिकायत पर संज्ञान लेते हुए हंटरगंज थाना कांड संख्या-137/26,दिनांक -18.8.26 धारा - 303(2) बीएनएस के तहत अज्ञात चोरों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि हंटरगंज के थाना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक हंटरगंज विपिन कुमार एवं अनुसंधानकर्ता सअनि सुनील कुमार दुबे के नेतृत्व में छापामारी दल का गठन किया गया ' छापामारी दल के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए थाना क्षेत्र के पचमो गांव के सूबेदार महतो पिता स्वर्गीय बैजनाथ महतो के घर से चोरी किए हुए सामान को बरामद किया गया। बताया कि जप्त सामानो में 8 एमएम का 06 बंडल रड (60 पीस)।

10 एमएम का 01 बंडल रड़ (10 पीस)। लोहे का जक 06 पीस एवं चोरी में प्रयुक्त

एक पिकअप वाहन पंजीयन सं0- जेएच 02एवी -1882 बरामद किया गया।

जेपीएससी- जेएसएससी छात्र आंदोलन का सफल समापन, सरकार ने मानी प्रमुख मांगें

संवाददाता

रांचीः झारखंड में लंबे समय से चल रहे जेपीएससी- जेएसएससी छात्र आंदोलन का गुरुवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। राज्य सरकार द्वारा छात्रों की प्रमुख मांगों को पूरा किए जाने के बाद छात्रों ने जयपाल सिंह स्टेडियम/पार्क से विजय जुलूस निकाला, जो फिरायालाल चौक पहुंचा। यहां छात्रों ने आतिशबाजी कर अपनी जीत का जश्न मनाया और राहुल गांधी जिंदाबाद तथा हेमंत सोरेन जिंदाबाद के नारे लगाए। आंदोलन में झारखंड युवा कांग्रेस की भी सक्रिय भूमिका रही। संगठन के नेताओं ने आंदोलनरत छात्रों के साथ खड़े रहते हुए सरकार के साथ संवाद और वार्ता के माध्यम से उनकी मांगों को सरकार तक पहुंचाया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी द्वारा भी छात्रों की समस्याओं और मांगों को लेकर पत्र लिखकर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराया गया। आंदोलन के दौरान खूंटी जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष आमिर हुसैन लगातार छात्रों के बीच मौजूद रहे। उन्होंने धरना स्थल पर छात्रों के बीच भोजन, पानी और बिस्किट आदि का वितरण किया और उनका मनोबल बढ़ाया। आंदोलन के समापन पर वे विजय जुलूस में भी छात्रों के साथ शामिल हुए।

आमिर हुसैन ने कहा कि यह छात्रों की एकजुटता, संघर्ष और लोकतांत्रिक तरीके से उठाई गई आवाज की जीत है। उन्होंने कहा कि युवा कांग्रेस आगे भी छात्रों और युवाओं के अधिकारों तथा रोजगार से जुड़े मुद्दों पर मजबूती से उनके साथ खड़ी रहेगी। उन्होंने कहा कि सरकार में कांग्रेस की भागीदारी होने के बावजूद छात्र हितों से समझौता नहीं किया गया और उनकी मांगों को सरकार तक पहुंचाने तथा समाधान कराने का लगातार प्रयास किया गया। विजय जुलूस के दौरान छात्रों में खासा उत्साह देखने को मिला। नारेबाजी और आतिशबाजी के बीच छात्रों ने अपनी मांगों के समाधान को संघर्ष की जीत बताते हुए आंदोलन का समापन किया।

खूंटीः डहू मोड़ के पास बाइक और सवारी ऑटो की आमने-सामने की टक्कर में एक की मौत, दो गंभीर

संवाददाता

खूंटीः जिले के रनिया थाना क्षेत्र के मरचा-रनिया मुख्य पथ स्थित डहू मोड़ के पास बुधवार को बाइक और सवारी ऑटो के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में बाइक चालक 40 वर्षीय विल्सन पूर्ति, निवासी गढ़सिदम मुंडाटोली, की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। दुर्घटना में बाइक पर सवार 40 वर्षीय मारियानुस पूर्ति और 14 वर्षीय प्रतिमा पूर्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं, ऑटो में सवार यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रनिया भेजा। प्रारंभिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल मारियानुस पूर्ति और प्रतिमा पूर्ति को बेहतर इलाज के लिए खूंटी सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी है। दुर्घटनाग्रस्त बाइक और ऑटो को जब्त कर थाना ले जाया गया है। जानकारी के अनुसार, विल्सन पूर्ति और मारियानुस पूर्ति गुमला जिले के कामडारा थाना क्षेत्र अंतर्गत पोजे 0.गांव से 14 वर्षीय प्रतिमा पूर्ति को लेकर गढ़सिदम, मुंडाटोली लौट रहे थे। इसी दौरान डहू मोड़ के पास उनकी बाइक की सामने से आ रहे सवारी ऑटो से टक्कर हो गई। ऑटो में सवार लोग रनिया के कोटांगेर से अपने घर लौट रहे थे।

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की के प्रयास से लाभुकों के बीच चूजा वितरित

ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत करने का माध्यम है पशुपालन : बंधु तिर्की

मेट्रो रेज

चान्हो (रांची): कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की के प्रयास से चान्हो प्रखंड में लाभुकों के बीच चूजों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री बंधु तिर्की मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान नौ लाभुकों के बीच कुल 510 चूजों का वितरण किया गया।

मौके पर पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने कहा कि सरकार की योजनाओं का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को स्वरोजगार से जोड़ना और उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत करना है। उन्होंने लाभुकों से योजना का लाभ उठाकर अपनी आमदनी बढ़ाने और आत्मनिर्भर बनने की अपील की। उन्होंने कहा कि पशुपालन ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। सरकार की ओर से संचालित योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी वरुण कुमार, अंचल अधिकारी संजीव कुमार, उत्क्रमित पशुपालन पदाधिकारी डॉ.सुसवी, जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ.हरविंदर पाल भगत, इरशाद खान, इश्तियाक अंसारी सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं लाभुक उपस्थित थे।

क्षमता निर्माण व उद्यमिता विकास कार्यक्रम का आयोजन

मास्टर ट्रेनर्स को दी गई स्वरोजगार व सरकारी योजनाओं की जानकारी

संवाददाता

खूंटीः जन शिक्षण संस्थान, खूंटी द्वारा 18 एवं 19 अगस्त को दो दिवसीय क्षमता निर्माण एवं उद्यमिता विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न ट्रेडों के मास्टर ट्रेनर्स को कौशल विकास, उद्यमिता, स्वरोजगार और सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी देकर प्रशिक्षणार्थियों को बेहतर मार्गदर्शन के लिए तैयार करना था। क्षमता निर्माण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गौरव सिंह तथा उद्यमिता विकास कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला रोजगार पदाधिकारी आनंद कुमार उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला उद्यमी समन्वयक मंजू मिंज एवं मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्योग विकास बोर्ड के प्रखंड समन्वयक आशीष वर्मा मौजूद रहे। जन शिक्षण संस्थान, खूंटी के प्रभारी निदेशक शैलेश कुमार की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों को अंगवस्त्र प्रदान कर स्वागत एवं सम्मान के साथ हुई। इस दौरान विभिन्न ट्रेडों के मास्टर ट्रेनर्स ने सक्रिय रूप से भाग लिया। विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को कौशल विकास, स्वरोजगार, उद्यम स्थापना, वित्तीय सहायता, ऋण सुविधा तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। मुख्य अतिथियों ने कहा कि वर्तमान समय में केवल प्रशिक्षण प्राप्त करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि प्रशिक्षण के बाद उद्यमिता, स्वरोजगार और बाजार की जरूरतों के अनुरूप कार्य करना भी जरूरी है। उन्होंने मास्टर ट्रेनर्स से सरकारी योजनाओं की सही एवं उपयोगी जानकारी युवाओं और अन्य लाभार्थियों तक पहुंचाने का आह्वान किया, ताकि अधिक से अधिक लोग आत्मनिर्भर बन सकें। कार्यक्रम के दौरान मास्टर ट्रेनर्स की समस्याओं, आवश्यकताओं और संभावित उद्यमिता के अवसरों पर भी चर्चा की गई। प्रतिभागियों ने कार्यक्रम को उपयोगी बताते हुए कहा कि इससे प्रशिक्षण कार्य को प्रभावी बनाने और लाभार्थियों को स्वरोजगार की दिशा में मार्गदर्शन देने में मदद मिलेगी। दो दिवसीय कार्यक्रम का समापन कौशल विकास और उद्यमिता के माध्यम से आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के संकल्प के साथ हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में जन शिक्षण संस्थान, खूंटी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

एसपी अनिमेष नैथानी ने की अपराध समीक्षा बैठक

संगठित अपराध व अफीम तस्करों पर नकेल कसने का निर्देश

चंद्रेश शर्मा/मेट्रो रेज

चतराः जिला एसपी एसपी अनिमेष नैथानी ने बुधवार को अपने कार्यालय कक्ष में जिले के पुलिस उपाधीक्षक, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस निरीक्षक तथा सभी थाना प्रभारियों के साथ अपराध समीक्षा बैठक की। बैठक में एसपी ने संगठित अपराध चोरी, छिनतई की घटनाओं पर विराम लगाने का निर्देश दिया। उन्होंने महिला अत्याचार, छेड़खानी, दुष्कर्म एवं पोक्सो से एक्ट से संबंधित दर्ज कांडों पर विशेष रूप से फोकस किया। कहा कि लंबित कांडों का अविलंब निष्पादित करें। उन्होंने थाना प्रभारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि

थानों में जितने भी जमानती तथा गैरजमानती वारंट, इश्तेहार एवं कुर्की- जब्ती लंबित है,उसे एक विशेष अभियान चलाकर निष्पादन करें। बैठक में साइबर, महिला सुरक्षा एवं सड़क सुरक्षा से संबंधित सभी आम नागरिकों को जागरूक करने का निर्देश दिया गया। साथ ही अवैध मादक पदार्थ के खरीद-बिक्री होने वाले जगह को चिन्हित करने तथा उसमें शामिल अभियुक्तों को चिन्हित कर एक विशेष अभियान चला कर गिरफ्तारी करने का आदेश दिया।इसके अलावा साम्प्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ने वाले व्यक्तियों के खिलाफ सीसीए, थाना हाजरी का प्रस्ताव एवं गुंडा पंजी में भेजने का निर्देश दिया गया। एसपी श्री नैथानी ने सभी थाना प्रभारी को सम्बोधित करते हुए अपने अपने थानों में आम पब्लिक की समस्याओं को सुने एवं उसकी समस्याओं को समय पर निष्पादित करना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। कहा कि जितने अपराधकर्मी जेल से बाहर आए हैं उनकी सूची तैयार कर चिन्हित करते हुए उनकी गतिविधि पर नजर बनाए रखें,ताकि अपराधिक गतिविधियों पर नजर रखी जा सके।

जेएसएससी सीजीएल परीक्षा गड़बड़ी मामला

पत्थलगड्डा के प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी को सीआईडी ने हिरासत में लिया

◂36 घंटे के पूछताछ के बाद सशर्त पीआर बॉड पर छोड़ा ◂जरूरत पड़ने पर पुनः होगी पूछताछ

संवाददाता

चतराः जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा में गड़बड़ी के मामले में हिरासत में लिए गए पत्थलगड्डा के प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी तेजनारायण पंडित को करीब 36 घंटे की पूछताछ के बाद सशर्त पीआर बॉन्ड पर छोड़ दिया गया है। सीआईडी की टीम ने उनसे सदर थाना में लगातार पूछताछ की। पूछताछ के बाद उन्हें इस शर्त पर छोड़ा गया कि जांच के दौरान जरूरत पड़ने पर वह सीआईडी के समक्ष उपस्थित होंगे और जांच में पूरा सहयोग करेंगे। बीते सोमवार को सीआईडी की टीम ने जेएसएससी सीजीएल परीक्षा में गड़बड़ी से जुड़े मामले की जांच के क्रम में बीएसओ तेजनारायण पंडित को हिरासत में लिया था। इसके बाद उन्हें चतरा सदर थाना लाया गया, जहां पिछले करीब दो दिनों से सीआईडी की टीम उनसे पूछताछ कर रही थी। परीक्षा में कथित अनियमितता से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर अधिकारियों ने उनसे जानकारी ली। बीएसओ को हिरासत में लिए जाने की सूचना मिलने के बाद उनके परिजन भी सदर थाना पहुंचे थे। परिजन लगातार उनके बारे में जानकारी लेते रहे। करीब 36 घंटे की पूछताछ के बाद जब सीआईडी ने उन्हें सशर्त पीआर बॉन्ड पर छोड़ा, तो वह परिजनों के साथ अपने घर चले गए। हालांकि पूछताछ के दौरान सीआईडी की ओर से उनसे क्या-क्या जानकारी हासिल की गई और मामले में उनकी भूमिका को लेकर जांच में क्या तथ्य सामने आए हैं, इसकी आधिकारिक जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है।सशर्त पीआर बॉन्ड पर रिहाई का मतलब यह है कि जांच अभी समाप्त नहीं हुई है। सीआईडी को यदि आगे की जांच में बीएसओ तेजनारायण पंडित से दोबारा पूछताछ की आवश्यकता महसूस होती है, तो उन्हें जांच एजेंसी के समक्ष उपस्थित होना होगा। साथ ही उन्हें जांच में सहयोग करने की शर्त पर छोड़ा गया है। ऐसे में आने वाले दिनों में मामले की जांच के दौरान उनसे दोबारा पूछताछ की संभावना बनी हुई है। बीएसओ के हिरासत में लिए जाने के बाद से ही उनके परिजन सदर थाना पहुंचकर उनकी रिहाई का इंतजार कर रहे थे। करीब 36 घंटे तक चली पूछताछ के बाद जब उन्हें पीआर बॉन्ड पर छोड़ा गया, तो परिजन उन्हें अपने साथ लेकर घर चले गए। दूसरी ओर जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा में कथित गड़बड़ी की जांच को लेकर सीआईडी की कार्रवाई आगे भी जारी रहने की संभावना है।

धुर्वा में जुटे राज्यभर के कर्मी, नौकरी वापसी की लड़ाई को लेकर बनाई रणनीति

22 परीक्षाएं रद्द, 2394 अफसरों की नौकरी पर संकट,सेवा से हटाने का आदेश अभी जारी नहीं, हटाए गए तो कामकाज पर असर संभव

संवाददाता

रांची : राज्य सरकार के आदेश से सरकार सेवा से निकाले गये कर्मियों की महाजुटान धुर्वा गोल चक्कर मैदान में हुई। दिन के 10 बजे से ही यहां कर्मी जुटने लगे थे। राज्य के सभी जिलों से अलग-अलग सेवा के कर्मी लगातार यहां पहुंच रहे हैं। इस दौरान कर्मियों ने सभा करके नौकरी वापसी के संघर्ष को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया। इसके तहत

अभी न्यायालय का सहारा लेने पर सहमति बनायी। कर्मियों ने एक मत होकर कोर्ट का रुख अख्तियार करने को कहा। इसके लिए सभी कर्मियों से अलग-अलग वकालत नामा भराने का काम किया गया।

एकजुट रहने की अपीलः मौके पर सभी कर्मियों ने एकजुट रहने का संकल्प लिया। कर्मियों ने कहा कि हमने पहले भी संघर्ष करके नौकरी प्राप्त की है। फिर से संघर्ष किया जायेगा।

कर्मियों ने मिल कर कमेटी बनाईः आंदोलन को धार देने के लिए सभी सेवाओं के कर्मियों ने मिल कर कमेटी बनाई। इसमे जिलावार भी कर्मियों को जिम्मेवारी दी गयी। वहीं आंदोलन चलाने के लिए अलग-अलग कर्मियों को जिम्मेवारी सौंपी गई। भोजन, टेंट से लेकर सारी व्यवस्थाओं को लेकर जिम्मेदारी तय कर दी गई है। व्यवस्था के लिए स्रोत जेनरेट करने पर सहमति हुई। कर्मियों ने संकल्प लिया कि जब तक उनकी नौकरी भाल नही हो जाती है, वे घर पर नहीं बैठेंगे। हर दिन यहां जमा होंगे और आंदोलन जारी रखेंगे।

रिम्स में डॉक्टरों और कर्मचारियों की कमी होगी दूर

साल के अंत तक भरे जाएंगे सभी जरूरी टीचिंग पद

संवाददाता

रांचीः राजधानी रांची स्थित रिम्स में डॉक्टरों और कर्मचारियों की कमी दूर करने की दिशा में सरकार ने बड़ा लक्ष्य तय किया है। इस साल के अंत तक संस्थान में टीचिंग के सभी जरूरी पदों को भरने की तैयारी है। बुधवार को स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में हुई रिम्स सेलेक्शन कमेटी की बैठक में मानव संसाधन से लेकर डिजिटल स्वास्थ्य व्यवस्था तक कई अहम फैसले लिए गए।

मानव संसाधन ढांचे को व्यवस्थित करने का निर्देशः मीटिंग में रिम्स में स्वीकृत पदों, कार्यरत चिकित्सकों और कर्मचारियों के साथ-साथ खाली पदों की विस्तृत

समीक्षा की गई। अपर मुख्य सचिव ने निर्देश दिया कि अलग-अलग विभागों में वास्तविक जरूरत के हिसाब से पदों का आकलन किया जाए। इसके बाद पदों का रेशनलाइजेशन कर रिम्स के मानव संसाधन ढांचे को नए सिरे से व्यवस्थित करने का प्रस्ताव तैयार किया जाए।

टीचिंग पदों पर भर्ती में तेजीः बैठक में प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और असिस्टेंट प्रोफेसर समेत अन्य टीचिंग पदों पर चर्चा हुई। इसके अलावा एएनएम, जीएनएम और दूसरे कर्मचारियों की जरूरत पर भी मंथन किया गया। अधिकारियों को भर्ती और नियुक्ति से जुड़ी प्रक्रिया समयबद्ध तरीके से पूरी करने का निर्देश दिया गया है। पदोन्नति की प्रक्रिया को लेकर भी स्पष्ट और पारदर्शी मानक तैयार करने को कहा गया है। इसका ड्राफ्ट तैयार कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रिम्स में 100 फीसदी एचएमआईएस पर जोरः बैठक में अस्पताल की डिजिटल व्यवस्था को मजबूत करने पर भी विशेष जोर दिया गया। रिम्स में हॉस्पिटल मैनेजमेंट इनफार्मेशन सिस्टम यानी लटक्र को 100 फीसदी लागू करने का निर्देश दिया गया है। सभी विभागाध्यक्षों को अपने-अपने विभाग में एचएमआईएस का पूरा इस्तेमाल सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी गई है।

एटीएस अधिकारी बनकर दंपती को डराया

डिजिटल अरेस्ट के नाम पर 3.40 लाख की ठगी

संवाददाता

रांचीः साइबर अपराधियों का दुस्साहस लगातार बढ़ रहा है। इस बार जालसाजों ने एटीएस अधिकारी बनकर एक शख्स को धमकाया और डिजिटल अरेस्ट की धमकी देकर 3.40 लाख रुपये की ठगी कर ली। मामले में श्री हंस अपार्टमेंट, बसंत बिहार, हरमू निवासी अतुल कमार ने साइबर क्राइम थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी है।

वीडियो कॉल पर दी धमकी : पीड़ित के अनुसार उसके पास एक अनजान नंबर से फोन आया। फोन करनेवाले ने खुद को एटीएस अधिकारी बताया, उसने कहा कि दिल्ली बम ब्लास्ट के संदिग्ध डॉक्टर शाहीन केस के आतंकियों के पास से उनका मोबाइल नंबर मिला है। इसके बाद अपराधियों ने पीड़ित और उनकी पत्नी को व्हाट्सएप वीडियो कॉल किया और धमकी दी।

डिजिटल अरेस्ट की स्थिति में रखाः पीड़ित के अनुसार वीडियो कॉल पर कई लोग पुलिस की वर्दी में थे, जिससे दंपती घबरा गये। बताया जाता है कि जालसाजों ने कर्नाटक के हुबल के एक बैंक में फर्जी खाता खोल 2.55 करोड़ रुपये के अवैध लेन-देन और मनी लाउंड्रिंग का फर्जी आरोप भी लगाया। गिरफ्तारी और संपत्ति जब्ती का फर्जी वारंट दिखाया और घर पर ही डिजिटल अरेस्ट की स्थिति में रखा। इसके बाद कई जानकारी हासिल करने के बाद पैसे ट्रांसफर करा लिये। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

रांची विवि में पीएचडी के लिए नया गाइडलाइन जारी, 2026-27 से होगा लागू

संवाददाता

रांचीः रांची विवि में पीएचडी करने का रास्ता साफ हो गया है। विवि प्रशासन ने रेगुलशन एंड स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसिड्यूर फॉर द मिनिमम स्टैंडर्ड एंड प्रोसिड्यूर फॉर अवार्ड ऑफ पीएचडी डिग्री-2026 की अधिसूचना जारी कर दी है। इसे शैक्षणिक सत्र 2026-27 से लागू किया गया है। कुलपति प्रो सरोज शर्मा के निर्देशन और विवि के सोशल साइंस डीन सह रिसर्च डायरेक्टर डॉ परवेज हसन की देख-रेख में कमेटी ने यूजीसी रेगुलेशन 2022 के तहत रेगुलेशन को 1 माह 9 दिन के अंदर तैयार कर इसे लागू कर दिया। इसे नई शिक्षा नीति और 4 वर्षीय स्नातक प्रोग्राम के तहत तैयार किया गया है। इस रेगुलेशन के मुताबिक विवि अब पीएचडी रजिस्ट्रेशन के लिए प्रवेश परीक्षा लेने के लिए स्वतंत्र है।

वहीं, इसके मुताबिक एक प्रोफेसर अपने निर्देशन में 8, एसोसिएट प्रोफेसर 6 और असिस्टेंट प्रोफेसर 4 अभ्यर्थियों

को एक समय में पीएचडी करा सकेंगे। पीएचडी के लिए अभ्यर्थी को स्नातकोत्तर में कम से कम 55 प्रतिशत अंक से उत्तीर्ण होना होगा। जबकि एसटी/एससी और ओबीसी के लिए 5 प्रतिशत की छूट रहेगी। थिसिस जमा करने के लिए न्यूनतम 3 वर्ष और अधिकतम 6 वर्ष निर्धारित किया गया है। किसी कारणवश निर्धारित समय पर थिसिस जमा नहीं होने पर 2 वर्ष का विस्तार अधिकतम 8 वर्ष के लिए किया जा सकता है महिला के लिए भी विशेष छूट दी गई है पीएचडी कराते समय अगर शिक्षक सेवानिवृत्त हो जाते हैं, तो वे गाइड की जगह को-गाइड बन जाएंगे। अभ्यर्थी को नियमानुसार गाइड बदलने की छूट रहेगी।

13 सदस्यीय कमेटी ने रेगुलेशन तैयार करने में किया था मंथनः रांची विवि में पीएचडी रेगुलेशन तैयार करने के लिए कुलपति प्रो सरोज शर्मा के निर्देशन में 13 सदस्यीय उच्चस्तरीय कमेटी का गठन किया गया था। रेगुलेशन के स्वीकृत नहीं होने के कारण पिछली बार पीएचडी प्रवेश परीक्षा लेने पर राज्यपाल ने रोक लगा दी थी।

रांची में आज भी छाएं रहेंगे बादल, बारिश के आसार

झारखंड में अब सामान्य से सिर्फ 10 % कम वर्षा

रांचीः राजधानी रांची समेत झारखंड के कई जिलों में डीप डिप्रेशन का असर बरकरार है। बुधवार को रांची में दिनभर रूक-रूक कर बारिश होती रही। दिनभर में 6 मिमी वर्षा दर्ज की गई। गुरुवार को भी राजधानी में बादल छाए रहेंगे। हल्की बारिश के भी आसार हैं। पिछले 24 घंटे में रामगढ़ के पतरातू में सर्वाधिक 190 मिमी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार गुरुवार को गढ़वा, पलामू, लातेहार, लोहरदगा, गुमला और सिमडेगा में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। लगातार हो रही बारिश से रांची सहित सात जिलों में इस मानूसन में सामान्य वर्षा कोटा पूरा हे गया है। झारखंड में अभी भी सामान्य से 10 प्रतिशत कम बारिश हुई है, जबकि रांची में सामान्य से सात प्रतिशत अधिक बारिश हुई है। इसके अलावा पश्चिमी सिंहभूम में सामान्य से 48 प्रतिशत, सिमडेगा में आठ प्रतिशत, सरायकेला-खरसावां में नौ प्रतिशत और पूर्वी सिंहभूम में एक प्रतिशत अधिक बारिश हुई है। पूरे राज्य में अब तक 633.6 एमएम बारिश हुई है।

जेपीएससी- जेएसएससी परीक्षा और नियुक्तियां रद्द करने के खिलाफ दायर याचिका जल्द सुनवाई के लिए किया जाएगा मेंशन

मेट्रो रेज

रांचीः जेपीएससी- जेएसएससी की परीक्षाएं और इससे जुड़ी नियुक्तों को रद्द करने के राज्य सरकार के आदेश को झारखंड हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। सरकार के आदेश के खिलाफ अब तक तीन याचिकाएं दायर की गई हैं जिनपर जल्द सुनवाई के लिए आज कोर्ट से आग्रह (मेंशन) किया जाएगा। अब कोर्ट जल्द सुनवाई का आग्रह स्वीकार करता है या नहीं यह देखना काफी महत्वपूर्ण होगा। फिलहाल सरकार के आदेश से प्रभावित अवधेश कुमार समेत तीन लोगों ने याचिका दायर कर दी है। तीनों याचिकाओं में हाईकोर्ट के अधिवक्ता इंद्रजीत सिंहा और पीयूष चित्रेश प्रथियों का पक्ष रखेंगे। वहीं दूसरी तरफ सरकार के फैसले से प्रभावित सैकड़ो वैसे सकड़ों अफसर हाईकोर्ट की शरण लेने की तैयारी कर रहे हैं जिनकी नौकरी पर अब तलवार लटक गई है।

आर्ट ऑफ गिविंग रत्न सम्मान समारोह 23 अगस्त को ,20 विशिष्ट व्यक्तित्व होंगे सम्मानित

मेट्रो रेज

रांचीः आर्ट ऑफ गिविंग, झारखंड यूनिट द्वारा आर्ट ऑफ गिविंग रत्न सम्मान समारोह 2026 का आयोजन 23 अगस्त को पलाश सभागार, डोरंडा,रांची में किया जाएगा। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो डॉ अच्युता सामंत होंगे। समारोह के विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकान्त सहाय उपस्थित रहेंगे।

इस समारोह में झारखंड के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य, उल्लेखनीय योगदान, समर्पण एवं सामाजिक सरोकारों के माध्यम से समाज और राज्य को गौरवान्वित

करने वाले 20 नामचीन शख्सियतों को आर्ट ऑफ गिविंग रत्न सम्मान से सम्मानित किया जाएगा।

सम्मानित होने वाले व्यक्तित्वों में शिक्षा, खेल, खेल प्रशासन, सामाजिक सेवा, चिकित्सा, कला-संस्कृति, पत्रकारिता सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले लोग शामिल हैं।

इस अवसर पर अपराह्न एक बजे एक विशेष प्रेस कॉन्फ्रेंस का भी आयोजन किया गया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस को आर्ट ऑफ गिविंग के संस्थापक प्रोडॉ अच्युत सामंत संबोधित करेंगे। वे आर्ट ऑफ गिविंग के उद्देश्य, इसकी गतिविधियों तथा झारखंड में संस्था द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों के संबंध में मीडिया को जानकारी देंगे।

गौरतलब है कि आर्ट ऑफ गिविंग का मूल उद्देश्य सेवा, समर्पण और सहयोग की भावना को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाना है। इसी उद्देश्य के तहत झारखंड यूनिट द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तित्वों को सम्मानित किया जाएगा। प्राप्त जानकारी के मुताबिक मुख्य कार्यक्रम 23 अगस्त को दिन के 11 बजे से शुरू होगा। अपराह्न एक बजे आयोजकों द्वारा मीडिया को संबोधित किया जाएगा। उक्त जानकारी आर्ट ऑफ गिविंग, झारखंड यूनिट के महासचिव शेखर बोस ने दी।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, गुमला
जशपुर रोड, गुमला (झारखण्ड)- 835207
(E-mail- eercdgumla-jhr@nic.in)

शुद्धि–पत्र

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय के पत्रांक–573 दिनांक– 06.08.2026 द्वारा आमंत्रित एवं PR 387009(Road)26-27*D द्वारा प्रकाशित निविदा आमत्रंण सूचना सं0– 02/2026–27 के क्रमांक–1 अन्तर्गत पालकोट– अपरखामन– जोड़ाजाम पथ के 0.00 से 19.800 कि0मी0 तक साधारण मरम्मति कार्य की निविदा को अपरिहार्य कारणवश स्थगित की जाती है।

ह0/–
कार्यपालक अभियन्ता
PR 387920 Road (26-27)_D पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, गुमला

झारखंड पुलिस मुख्यालय : नए आपराधिक कानूनों पर अब हर माह होगी समीक्षा बैठक

संवाददाता

रांची : झारखंड में नए आपराधिक कानूनों को लेकर पुलिस मुख्यालय स्तर पर निगरानी और समीक्षा की व्यवस्था शुरू की गई है। गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने इसके लिए हर महीने समीक्षा बैठक आयोजित करने का आदेश जारी किया है।

आदेश के अनुसार, हर महीने की पहली और 15वीं तारीख को नए आपराधिक कानूनों को लेकर समीक्षा बैठक होगी। निर्धारित दिन अवकाश होने पर अगले कार्यदिवस में बैठक आयोजित की जाएगी।

21 अगस्त को होगी पहली समीक्षा बैठकः नए आपराधिक कानूनों और राज्य से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण मामलों की समीक्षा के लिए 21 अगस्त को सुबह 11.30 बजे बैठक बुलाई गई है। बैठक की अध्यक्षता गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग के अपर मुख्य सचिव करेंगे।

अभियान आईजी नरेंद्र कुमार सिंह को नोडल पदाधिकारी बनाया गया है। उन्हें बैठक की तैयारी और संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय की जिम्मेदारी दी गई है। बैठक की सूचना पुलिस महानिदेशक, अपर पुलिस महानिदेशक, पुलिस महानिरीक्षकों, अभियोजन निदेशालय, विधि विज्ञान प्रयोगशाला, एनआईसी-सीआईजेएस समेत संबंधित अधिकारियों को भेजी गई है।

जिला समादेष्टा का कार्यालय, झारखण्ड गृह रक्षा वाहिनी, राँची।
आवश्यक सूचना

झारखण्ड गृह रक्षा वाहिनी, राँची जिला अन्तर्गत विज्ञापन सं0–01/2025 के तहत ग्रामीण एवं शहरी (गैर–तकनीकि) महिला व पुरूष अभ्यर्थियों का प्रकाशित परीक्षाफल में अंकित सफल महिला व पुरूष अभ्यर्थियों का प्रखण्डवार मूल दस्तावेज सत्यापन हेतु दिनांक–24.08.2026 से 12.09.2026 तक स्थल–केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान, झारखण्ड गृह रक्षा वाहिनी, धुर्वा, राँची निर्धारित किया जा सकता है, जो निम्नवत है :–

क्र0	प्रखण्ड का नाम	तिथि	स्थल
1.	कांके एवं नगड़ी	24.08.2026	केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान, झारखण्ड गृह रक्षा वाहिनी, धुर्वा, राँची।
2.	लापुंग एवं बुढमू	25.08.2026	
3.	चान्हो एवं तमाड़	27.08.2026	
4.	रातू, बेड़ो एवं खलारी	29.08.2026	
5.	नामकुम	31.08.2026	
6.	अनगड़ा	01.09.2026	
7.	सिल्ली	02.09.2026	
8.	नगड़ी	03.09.2026	
9.	इटकी	05.09.2026	
10.	राहे एवं बुण्डू	07.09.2026	
11.	सोनाहातु	08.09.2026	
12.	तमाड़	09.09.2026	
13.	ओरमांझी	10.09.2026	
14.	शहरी (गैर–तकनीकी) पुरूष	11.09.2026	
15.	शहरी (गैर–तकनीकी) महिला	12.09.2026	

विज्ञापन सं0–01/2025 के तहत प्रकाशित परीक्षाफल में अंकित सभी सफल महिला व पुरूष अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि वे उपरोक्त तालिका के अनुसार अपने–अपने प्रखण्ड के सामने अंकित निर्धारित तिथि व स्थल पर अपने सभी मूल दस्तावेज (04 फोटो सहित) के साथ उपस्थित होना सुनिश्चित करेंगें। यदि किसी अभ्यर्थी का सत्यापन के क्रम में दस्तावेज असत्य/जाली/फर्जी पाया जाता है तो वैसे अभ्यर्थी की उम्मीदवारी स्वतः रद्द हो जायेगी साथ ही निर्धारित तिथि को दस्तावेज सत्यापन के क्रम में अनुपस्थित रहने वाले अभ्यर्थी को बाद में कोई अन्य अवसर प्रदान नही किया जायेगा एवं उनकी उम्मीदवारी स्वतः समाप्त समझी जायेगी। उनके आवेदन पर समिति द्वारा कोई विचार नहीं किया जायेगा।

उपरोक्त तालिका के अनुसार निर्धारित तिथि को उक्त प्रखण्ड के अंचल अधिकारी एवं प्रखण्ड विकास पदाधिकारी संबंधित प्रखण्ड के अभ्यर्थियों के दस्तावेज सत्यापन हेतु उपस्थित रहेंगें।

सफल अभ्यर्थियों में जिन अभ्यर्थी का दस्तावेज सत्यापन सही पाया जायेगा, उनका चरित्र सत्यापन एवं चिकित्सीय जाँच हेतु फॉर्म "अ" एवं "ग" भरवाने की प्रक्रिया की जायेगी, जिसके सत्यापनोपरांत अभ्यर्थियों के बुनियादी प्रशिक्षण हेतु झारखण्ड गृह रक्षा वाहिनी, मुख्यालय, राँची प्रेषित की जायेगी।

जिला समादेष्टा,
झारखण्ड गृह रक्षा वाहिनी,राँची।
PR 387931 Police(26-27)D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

दिमागी नक्सलवाद: बंदूक से विचार तक की चुनौती

15 अगस्त को लालकिले की प्राचीर से देश को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब 21वीं सदी की उन दशकों पुरानी चुनौतियों को समाप्त करने की आवश्यकता पर जोर दिया, जिन्होंने भारत की विकास यात्रा को लंबे समय तक प्रभावित किया, तो उनके भाषण का एक शब्द विशेष रूप से चर्चा का विषय बन गया– ह्यदिमागी नक्सल। प्रधानमंत्री ने नक्सलवाद और माओवाद को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या के रूप में नहीं देखा बल्कि उसके कारण बर्बाद हुए युवा, उजड़े परिवार और माताओं से छिने उनके बेटों की पीड़ा का भी उल्लेख किया। उनका संदेश स्पष्ट था कि बंदूक उठाने वाला नक्सलवाद जितना खतरनाक है, उतना ही खतरनाक वह विचार भी हो सकता है, जो हिंसा, अलगाव और लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति अविश्वास को वैचारिक समर्थन देता है।

भारत में नक्सलवाद का इतिहास कई दशक पुराना है। पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी से शुरू हुआ आंदोलन धीरे-धीरे देश के अनेक हिस्सों में फैलता गया। बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, ओडिशा, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश के कई क्षेत्रों में नक्सली हिंसा ने अपनी जड़ें जमाईं। एक समय ऐसा था जब देश के बड़े भूभाग को वामपंथी उग्रवाद प्रभावित माना जाता था। सड़क निर्माण से लेकर स्कूल भवन तक, सरकारी संस्थान से लेकर सुरक्षा बलों के शिविरों तक, हिंसा का साया दिखाई देता था। बिहार और झारखंड के ग्रामीण इलाकों में नक्सली गतिविधियों का प्रभाव लंबे समय तक रहा। छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में तो स्थिति और भी गंभीर रही। सुरक्षा बलों पर घात लगाकर हमला, बारूदी सुरंगों का इस्तेमाल, सरकारी संपत्ति को नुकसान और निर्दोष ग्रामीणों पर दबाव–इन घटनाओं ने विकास की गति को प्रभावित किया। यह कहना उचित होगा कि नक्सलवाद का सबसे बड़ा नुकसान केवल सुरक्षा बलों या सरकारी संपत्ति को नहीं हुआ। इसका सबसे बड़ा नुकसान उन गरीब और आदिवासी परिवारों को हुआ, जिनके नाम पर नक्सली राजनीति करने का दावा करते रहें। जिन क्षेत्रों में विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार की सबसे अधिक आवश्यकता थी, उन्हीं क्षेत्रों में हिंसा ने विकास के रास्ते को लंबे समय तक बाधित किया। केंद्र सरकार ने नक्सलवाद से निपटने के लिए सुरक्षा कार्रवाई के साथ-साथ सड़क, मोबाइल नेटवर्क, बैंकिंग, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विस्तार पर भी जोर दिया। सुरक्षा बलों की लगातार कार्रवाई, बेहतर खुफिया तंत्र और केंद्र-राज्य के समन्वय के कारण नक्सली हिंसा का प्रभाव काफी कम हुआ है। हालांकि, इस परिवर्तन को केवल किसी एक सरकार की उपलब्धि के रूप में देखना इतिहास को सरल बनाना होगा। नक्सलवाद के खिलाफ संघर्ष में अनेक सरकार, सुरक्षा बल और राज्य पुलिस के जवानों ने बलिदान दिया है, लेकिन यह भी तथ्य है कि पिछले वर्षों में वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास की रणनीति को अधिक आक्रामक और समन्वित रूप दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप नक्सली हिंसा में उल्लेखनीय कमी आई। इस शब्द का अर्थ समझने के लिए हमें बंदूक से आगे बढ़कर विचार की दुनिया को समझना होगा। लोकतंत्र में सरकार की आलोचना करना नागरिक अधिकार है। सत्ता की नीतियों का विरोध करना भी लोकतंत्र का हिस्सा है। किसी विचारधारा से असहमति भी लोकतांत्रिक अधिकार है। इसलिए हर सरकार-विरोधी व्यक्ति, हर वामपंथी विचारक या हर आलोचक को ह्यदिमागी नक्सलह्ल कहना न तो उचित होगा और न ही लोकतांत्रिक दृष्टि से स्वीकार्य। लेकिन यदि कोई विचार हिंसा को जायज ठहराता है, संवैधानिक व्यवस्था को उखाड़ फेंकने को लक्ष्य बनाता है, युवाओं को लोकतांत्रिक रास्ते के बजाय हथियार उठाने के लिए प्रेरित करता है या देश की एकता और अखंडता को कमजोर करने वाली हिंसक राजनीति को वैचारिक संरक्षण देता है, तो उस विचारधारा पर सवाल उठाना आवश्यक है। आज का भारत 20वीं सदी के भारत से अलग है। सोशल मीडिया, इंटरनेट और डिजिटल प्लेटफॉर्म ने विचारों के प्रसार को अत्यंत तेज कर दिया है। एक विचार कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच सकता है। ऐसे में हिंसा या अतिवाद को वैचारिक रूप से आकर्षक बनाना पहले की तुलना में आसान भी हो गया है। युवाओं के सामने आज रोजगार, शिक्षा, तकनीकी प्रतिस्पर्धा और सामाजिक अवसरों की नई दुनिया है। ऐसे समय में उन्हें हिंसा, घृणा और अलगाव की राजनीति से दूर रखना केवल सरकार का नहीं, बल्कि समाज, परिवार, शिक्षण संस्थानों और नागरिक संगठनों का भी दायित्व है। नक्सलवाद के संदर्भ में एक और महत्वपूर्ण बात समझनी होगी। जिन क्षेत्रों में दशकों तक गरीबी, बेरोजगारी, अशिक्षा और प्रशासनिक उपेक्षा रही, वहां केवल बंदूक के बल पर समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकता। सुरक्षा के साथ विकास आवश्यक है। सड़क पहुंचेगी तो बाजार पहुंचेगा। स्कूल खुलेगा तो शिक्षा पहुंचेगी। अस्पताल बनेगा तो स्वास्थ्य सुविधा मिलेगी। मोबाइल नेटवर्क पहुंचेगा तो सूचना का अधिकार मजबूत होगा। बैंकिंग सुविधा पहुंचेगी तो आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी। इसलिए नक्सलवाद के खिलाफ अंतिम लड़ाई केवल जंगलों में नहीं बल्कि गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी और विकास की कमी के खिलाफ भी लड़नी होगी। मनमोहन सिंह सरकार के समय देश के कई हिस्सों में नक्सली हिंसा गंभीर चुनौती बनी हुई थी। सुरक्षा बलों के जवानों पर हमले होते थे और कई इलाकों में सरकारी मशीनरी की पहुंच सीमित थी। उस दौर की परिस्थितियों को याद करना इसलिए जरूरी है क्योंकि इससे यह समझने में मदद मिलती है कि आज नक्सली हिंसा में आई कमी कितनी महत्वपूर्ण है। लेकिन इतिहास का निष्पक्ष मूल्यांकन यही कहेगा कि नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई किसी एक राजनीतिक दल की नहीं बल्कि भारतीय लोकतंत्र और भारतीय राज्य की सामूहिक लड़ाई रही है। केंद्र की अलग-अलग सरकारों और राज्यों की सरकारों ने अपने-अपने स्तर पर प्रयास किए। सबसे बड़ा श्रेय उन सुरक्षा बलों और पुलिसकर्मियों को जाता है, जिन्होंने कठिन परिस्थितियों में अपना जीवन देश के लिए न्योछावर किया। आज आवश्यकता इस बात की है कि ह्यदिमागी नक्सलह्ल जैसे शब्दों पर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के बजाय गंभीर राष्ट्रीय बहस हो। क्या किसी विचार को हिंसा का समर्थन करने का अधिकार है? क्या लोकतंत्र में बदलाव का रास्ता बंदूक हो सकता है? क्या असहमति और हिंसक विद्रोह के बीच अंतर स्पष्ट नहीं होना चाहिए? इन सवालों के जवाब देश को तलाशने होंगे। भारत की शक्ति उसकी लोकतांत्रिक व्यवस्था में है। यहां सत्ता बदलने के लिए चुनाव हैं, सरकार की आलोचना के लिए स्वतंत्र मीडिया और सार्वजनिक मंच हैं, न्याय के लिए न्यायपालिका है और अधिकारों की रक्षा के लिए संविधान है। जब इतने लोकतांत्रिक रास्ते उपलब्ध हों, तब हिंसा को परिवर्तन का माध्यम बनाना किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं हो सकता। इसलिए प्रधानमंत्री के ह्यदिमागी नक्सलह्ल शब्द को केवल राजनीतिक नारे के रूप में देखने के बजाय एक चेतावनी के रूप में भी समझा जा सकता है–हिंसा की बंदूक भले ही कमजोर पड़ जाए, लेकिन यदि हिंसा को जन्म देने वाली मानसिकता जीवित रहती है तो चुनौती पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। भारत को नक्सलवाद से मुक्त करने का अंतिम लक्ष्य केवल जंगलों में हथियारों की आवाज बंद करना नहीं होना चाहिए। अंतिम लक्ष्य ऐसा भारत बनाना होना चाहिए जहां किसी युवा को बंदूक उठाने की आवश्यकता महसूस न हो, जहां आदिवासी और गरीब समाज विकास से वंचित न रहे, जहां असहमति लोकतांत्रिक संवाद में व्यक्त हो और जहां परिवर्तन का रास्ता संविधान से होकर गुजरे। यही नक्सलवाद के खिलाफ स्थायी विजय होगी। बंदूक से नक्सलवाद को हराया जा सकता है, लेकिन ह्यदिमागी नक्सलह्ल को समाप्त करने के लिए विचार का मुकाबला विचार, विकास और लोकतंत्र से ही करना होगा।

भारत की आजादी में वीर बलिदानियों व महापुरुषों की भूमिका

चंपारण इसका महत्वपूर्ण उदाहरण है। बिहार के चंपारण में नील की जबरन खेती और किसानों के शोषण के विरुद्ध गांधी का सत्याग्रह केवल स्थानीय किसान समस्या का आंदोलन नहीं था। उसने भारतीय जनता को यह अनुभव कराया कि संगठित और अहिंसक प्रतिरोध से सत्ता को झुकाया जा सकता है, लेकिन यह कहना इतिहास को अत्यधिक सरल बना देना होगा कि गांधी के सत्याग्रह के कारण अकेले भारत स्वतंत्र हुआ। स्वतंत्रता का संघर्ष कई धाराओं में एक साथ चल रहा था।

डॉ. अरविंद नाथ तिवारी

भारत की स्वतंत्रता का इतिहास केवल किसी एक व्यक्ति, एक आंदोलन या एक विचारधारा की देन नहीं है। यह अनेक धारा, संघर्ष, बलिदानों और राजनीतिक प्रयोगों का परिणाम था। महात्मा गांधी का भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में प्रवेश ऐसे दौर में हुआ जब कांग्रेस मुख्यतः शिक्षित और राजनीतिक वर्ग की संस्था थी। गांधी ने स्वतंत्रता के संघर्ष को गांव, किसान, मजदूर, महिलाओं और सामान्य जनता तक पहुंचाया। चंपारण सत्याग्रह, खेड़ा सत्याग्रह और अहमदाबाद मिल आंदोलन से लेकर असहयोग आंदोलन, नमक सत्याग्रह और भारत छोड़ो आंदोलन तक गांधी ने भारतीय राजनीति को जनआंदोलन का स्वरूप दिया, उन्होंने सामान्य भारतीय को यह विश्वास दिया कि बिना हथियार उठाए भी साम्राज्यवादी सत्ता को चुनौती दी जा सकती है। चंपारण इसका महत्वपूर्ण उदाहरण है। बिहार के चंपारण में नील की जबरन खेती और किसानों के शोषण के विरुद्ध गांधी का सत्याग्रह केवल स्थानीय किसान समस्या का आंदोलन नहीं था। उसने भारतीय जनता को यह अनुभव कराया कि संगठित और अहिंसक प्रतिरोध से सत्ता को झुकाया जा सकता है, लेकिन यह कहना इतिहास को अत्यधिक सरल बना देना होगा कि गांधी के सत्याग्रह के कारण अकेले भारत स्वतंत्र हुआ। स्वतंत्रता का संघर्ष कई धाराओं में एक साथ चल रहा था। क्रांतिकारी आंदोलन, किसान आंदोलन, मजदूर आंदोलन, कांग्रेस की राजनीतिक गतिविधियां, समाजवादी विचारधारा और विदेशों में भारतीयों के प्रयासों ने भी ब्रिटिश शासन पर दबाव बनाया। यहीं नेताजी सुभाषचंद्र बोस और आजाद हिंद फौज की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। सुभाषचंद्र बोस गांधी की रणनीति से सहमत नहीं थे। वे मानते थे कि ब्रिटिश साम्राज्य को भारत से हटाने के लिए अधिक आक्रामक और सैन्य रणनीति आवश्यक है, उन्होंने आजाद हिंद सरकार की स्थापना की और आजाद हिंद फौज के माध्यम से ब्रिटिश सत्ता को सैन्य चुनौती देने का प्रयास किया। आजाद हिंद फौज सैन्य दृष्टि से अंततः ब्रिटिश सेना को पराजित नहीं कर सकी लेकिन उसका प्रभाव केवल युद्धक्षेत्र तक सीमित नहीं था। युद्ध के बाद आजाद हिंद फौज के अधिकारियों पर चले मुकदमों ने पूरे देश में व्यापक जनभावना पैदा की। भारतीय सेना और जनता के भीतर यह भावना मजबूत हुई कि अंग्रेजों के लिए भारतीय सैनिकों की निष्ठा हमेशा के लिए सुनिश्चित नहीं है। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद ब्रिटेन आर्थिक और सैन्य रूप से कमजोर हो चुका था। इसलिए भारत पर लंबे समय तक शासन बनाए रखना उसके लिए पहले की तुलना में कहीं अधिक कठिन हो गया था। इस दृष्टि से देखा जाय तो गांधी और सुभाष की भूमिकाओं को एक-दूसरे के विरोधी खेमों में रखकर समझना अधूरा होगा। गांधी ने भारतीय समाज को राजनीतिक रूप से जागृत और संगठित किया, जबकि सुभाष ने भारतीय स्वतंत्रता की आकांक्षा को अंतरराष्ट्रीय और सैन्य आयाम देने का प्रयास किया। एक ने जनशक्ति को संगठित किया, दूसरे ने औपनिवेशिक सत्ता के सैन्य आधार को चुनौती देने का प्रयास किया, इसके अतिरिक्त भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, रामप्रसाद बिस्मिल और असंख्य क्रांतिकारियों के बलिदान ने भारतीय स्वतंत्रता चेतना को गहरा किया। सरदार पटेल, जवाहरलाल नेहरू, मौलाना आजाद और डॉ. राजेंद्र प्रसाद जैसे नेताओं ने राजनीतिक संघर्ष को अलग-अलग स्तरों पर आगे बढ़ाया। लाखों अनाम भारतीयों ने जेलें भरीं, आर्थिक कठिनाइयां झेलीं और आंदोलन में भाग लिया। इसलिए 15 अगस्त 1947 को मिली स्वतंत्रता को किसी एक व्यक्ति की विजय कहना इतिहास के साथ न्याय नहीं होगा। भारत की आजादी अनेक शक्तियों के संयुक्त दबाव का परिणाम थी। गांधी उस व्यापक संघर्ष के सबसे प्रभावशाली जननेताओं में से एक थे लेकिन वे अकेले स्वतंत्रता के निमार्ता नहीं थे। यह समझना आवश्यक है कि ह्यराष्ट्रपिताह्ल गांधी की कोई संवैधानिक या विधिक उपाधि नहीं है। यह एक सम्मानसूचक संबोधन है, जो उनकी भूमिका और राष्ट्रीय जीवन पर उनके व्यापक प्रभाव के संदर्भ में प्रचलित हुआ। सुभाषचंद्र बोस ने 1944 में गांधी को ह्यराष्ट्रपिताह्ल कहकर संबोधित किया था। बाद के वर्षों में यह संबोधन जनमानस में व्यापक रूप से स्थापित हो गया।

आज के परिप्रेक्ष्य में गांधी की प्रासंगिकता पर भी बहस होनी चाहिए। गांधी के सभी विचारों को आंख बंद करके स्वीकार करना आवश्यक नहीं है, उनके आर्थिक विचार, औद्योगीकरण संबंधी दृष्टिकोण, जाति और सामाजिक प्रश्नों पर उनके विचार तथा राजनीतिक प्रयोग आज आलोचना और पुनर्मूल्यांकन के विषय हो सकते हैं लेकिन गांधी की अहिंसा, सत्य, जनभागीदारी, नैतिक राजनीति और सत्ता के विरुद्ध शांतिपूर्ण प्रतिरोध की अवधारणाएं आज भी महत्वपूर्ण हैं। दुनिया के अनेक लोकतांत्रिक और नागरिक अधिकार आंदोलनों ने गांधी के अहिंसक संघर्ष से प्रेरणा ली। युवा पीढ़ी को गांधी से सहमत होने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता बल्कि उसे गांधी, सुभाष, भगत सिंह और अन्य स्वतंत्रता सेनानियों को पढ़ने, उनके विचारों की तुलना करने और स्वयं निष्कर्ष निकालने का अवसर मिलना चाहिए। राष्ट्रभक्ति का अर्थ अपने इतिहास को ईमानदारी से समझना है। गांधी को राष्ट्रपिता मानना या न मानना व्यक्तिगत या वैचारिक प्रश्न हो सकता है, लेकिन उनकी ऐतिहासिक भूमिका से इनकार करना कठिन है। उसी प्रकार सुभाषचंद्र बोस और आजाद हिंद फौज की भूमिका को कम करके देखना भी इतिहास के साथ अन्याय होगा। भारत की आजादी गांधी की अहिंसा मात्र से नहीं मिली और न ही केवल सुभाषचंद्र बोस की सैन्य रणनीति से। गांधी के जनांदोलनों, सुभाष की चुनौती, क्रांतिकारियों के बलिदान, राजनीतिक नेतृत्व, जनता के व्यापक प्रतिरोध, द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद ब्रिटेन की कमजोर स्थिति और भारतीय सैनिकों तथा नौसैनिकों में बढ़ते असंतोष- इन सभी ने मिलकर वह ऐतिहासिक परिस्थिति बनाई जिसमें ब्रिटिश शासन के लिए भारत पर नियंत्रण बनाए रखना कठिन होता गया। इसलिए गांधी को समझने का सही तरीका उन्हें देवता बनाना नहीं बल्कि इतिहास के एक अत्यंत प्रभावशाली और जटिल व्यक्तित्व के रूप में देखना है। सुभाष को समझने का सही तरीका भी गांधी के विरोध में खड़ा कर-के उनकी महत्ता तय करना नहीं है। भारत की स्वतंत्रता किसी एक व्यक्ति की निजी उपलब्धि नहीं थी; यह करोड़ों भारतीयों के संघर्ष का परिणाम थी।

भारत के ऊर्जा भविष्य की नई तस्वीर

देश में अक्षय ऊर्जा के विकास और उपयोग को लेकर जागरूकता पैदा करने के लिए ही वर्ष 2004 से हर साल 20 अगस्त को ह्यअक्षय ऊर्जा दिवसह्ल भी मनाया जाता है। आज न केवल भारत में बल्कि समूची दुनिया के समक्ष बिजली जैसी ऊर्जा की महत्वपूर्ण जरूरतों को पूरा करने के लिए सीमित प्राकृतिक संसाधन हैं, साथ ही पर्यावरण असंतुलन और विस्थापन जैसी गंभीर चुनौतियां भी हैं।

- योगेश कुमार गोयल

पृथ्वी पर ऊर्जा के परम्परागत साधन बहुत सीमित मात्रा में उपलब्ध हैं, ऐसे में खतरा मंडरा रहा है कि यदि ऊर्जा के इन पारम्परिक स्रोतों का इसी प्रकार दोहन किया जाता रहा तो इन परम्परागत स्रोतों के समाप्त होने पर गंभीर समस्या उत्पन्न हो जाएगी। यही कारण है कि पूरी दुनिया में गैर परम्परागत ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देने की जरूरत महसूस की जाने लगी और इसी कारण अक्षय ऊर्जा स्रोतों से ऊर्जा जरूरतों की पूर्ति करने के प्रयास शुरू हुए। अक्षय का अर्थ है, जिसका कभी क्षय न हो अर्थात अक्षय ऊर्जा वास्तव में ऊर्जा का असीम और अनंत विकल्प है और आज के समय में यह किसी भी राष्ट्र के अक्षय विकास का प्रमुख स्तंभ भी है।

पिछले कुछ वर्षों से पर्यावरणीय चिंताओं को देखते हुए ऐसी ऊर्जा तथा तकनीकें विकसित करने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिनसे ग्लोबल वार्मिंग की विकराल होती समस्या से दुनिया को कुछ राहत मिल सके। किसी भी राष्ट्र को विकसित बनाने के लिए आज प्रदूषणरहित अक्षय ऊर्जा स्रोतों का समुचित उपयोग किए जाने की आवश्यकता भी है। देश में अक्षय ऊर्जा के विकास और उपयोग को लेकर जागरूकता पैदा करने के लिए ही वर्ष 2004 से हर साल 20 अगस्त को ह्यअक्षय ऊर्जा दिवसह्ल भी मनाया जाता है। आज न केवल भारत में बल्कि समूची दुनिया के समक्ष बिजली जैसी ऊर्जा की महत्वपूर्ण जरूरतों को पूरा करने के लिए सीमित प्राकृतिक संसाधन हैं, साथ ही पर्यावरण असंतुलन और विस्थापन जैसी गंभीर चुनौतियां भी हैं। चर्चित पुस्तक ह्यप्रदूषण मुक्त सांसेंह्ल के अनुसार इन गंभीर समस्याओं और चुनौतियों से निपटने के लिए अक्षय ऊर्जा ही एक ऐसा बेहतरीन विकल्प है, जो पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने के साथ-साथ ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने में भी कारगर साबित होगी लेकिन अक्षय ऊर्जा की राह में भी कई चुनौतियां मुंह बाये सामने खड़ी हैं। अक्षय ऊर्जा उत्पादन की देशभर में कई छोटी-छोटी इकाईयां हैं, जिन्हें एक ग्रिड में लाना बेहद चुनौतीपूर्ण कार्य है। इससे बिजली की गुणवत्ता प्रभावित होती है।

भारत में अक्षय ऊर्जा के विविध स्रोतों का अपार भंडार मौजूद है लेकिन इनसे ऊर्जा उत्पादन करने वाले अधिकांश उपकरण विदेशों से आयात किए जाते हैं। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के अनुसार, कुछ साल पहले सौर ऊर्जा के लिए करीब 90 प्रतिशत उपकरण विदेशों से आयात किए गए थे, जिससे बिजली उत्पादन की लागत काफी बढ़ गई। अब भी भारत की सौर सेल और मॉड्यूल की जरूरत का अधिकांश हिस्सा आयात से ही पूरा हो रहा है। हालांकि हाल के वर्षों में एएलएमएम नियम और पीएलआई स्कीम के कारण यह निर्भरता घट रही है। 2023-24 में चीन से सौर सेल्स का 53 प्रतिशत और मॉड्यूल्स का 63 प्रतिशत भारत में आया।

देश में ऊर्जा की मांग और आपूर्ति के बीच अंतर भी तेजी से बढ़ रहा है। देश में कुल स्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता में अब बड़ा हिस्सा अक्षय ऊर्जा से प्राप्त हो रहा है, जिसमें सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, बायो-पावर और छोटे हाइड्रो प्रोजेक्ट्स शामिल हैं। इसके अतिरिक्त अधिक बड़ी जल विद्युत परियोजनाओं से तथा परमाणु ऊर्जा से भी अक्षय ऊर्जा का उत्पादन किया जा रहा है। कुल बिजली उत्पादन में अब अक्षय ऊर्जा का हिस्सा अब लगातार बढ़ रहा है, जो भारत को दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल करता है। भारत में ऊर्जा खपत भी तेजी से बढ़ रही है। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) का अनुमान है कि वर्ष 2040 तक भारत में ऊर्जा की कुल मांग वर्तमान की तुलना में लगभग दोगुनी हो जाएगी। विशेषकर बिजली तथा ईंधन के रूप में उपभोग की जा रही ऊर्जा की मांग घरेलू एवं कृषि क्षेत्र के अलावा औद्योगिक क्षेत्रों में भी लगातार बढ़ रही है। औद्योगिक क्षेत्रों में ही बिजली तथा पैट्रोलियम जैसे ऊर्जा के महत्वपूर्ण स्रोतों का लगभग 55 प्रतिशत उपभोग किया जाता है।

हम जिस बिजली से अपने घरों, दुकानों या दफ्तरों को रोशन करते हैं, जिस बिजली या पैट्रोलियम इत्यादि ऊर्जा के अन्य स्रोतों का इस्तेमाल कर खेती-बाड़ी या उद्योग-धंधों के जरिये देश को विकास के पथ पर अग्रसर किया जाता है, क्या हमने कभी सोचा है कि वह बिजली या ऊर्जा के अन्य स्रोत हमें कितनी बड़ी कीमत पर हासिल होते हैं? यह कीमत न केवल आर्थिक रूप से बल्कि पर्यावरणीय दृष्टि से भी धरती पर विद्यमान हर प्राणी पर बहुत भारी पड़ती है। भारत में थर्मल पावर स्टेशनों में बिजली पैदा करने के लिए प्रतिदिन लगभग 18 लाख टन कोयले की खपत होती है। आज भी देश की लगभग 70 प्रतिशत से अधिक बिजली कोयले से ही पैदा होती है, शेष बिजली अक्षय ऊर्जा स्रोतों, जल, गैस व परमाणु ऊर्जा स्रोतों से प्राप्त होती है। दुनियाभर में ऊर्जा क्षेत्र में लगभग 75 प्रतिशत कार्बन उत्सर्जन बिजली उत्पादन से ही होता है। यही कारण है कि अब सौर ऊर्जा तथा पवन ऊर्जा जैसे अक्षय ऊर्जा स्रोतों को विशेष महत्व दिया जाने लगा है। अंतर्राष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार, यदि अक्षय ऊर्जा और ऊर्जा दक्षता पर विशेष ध्यान दिया जाए तो वर्ष 2050 तक वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को 70 प्रतिशत तक घटाया जा सकता है। भारत ने भी 2030 तक 500 गीगावॉट गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा क्षमता हासिल करने और नेट जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य वर्ष 2070 तक प्राप्त करने का संकल्प लिया है। अक्षय ऊर्जा स्रोतों के उपयोग को बढ़ावा देने से हमारी ऊर्जा की मांग और आपूर्ति के बीच का अंतर कम होता जाएगा और इससे प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से सामाजिक जीवन स्तर में भी सुधार होगा। भारत में अब ग्रीन हाइड्रोजन मिशन, स्मार्ट ग्रिड, बैटरी स्टोरेज और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी जैसे कदम भी तेजी से आगे बढ़ाए जा रहे हैं, जो अक्षय ऊर्जा को व्यावहारिक और टिकाऊ बनाएंगे। ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के तहत वर्ष 2030 तक 5 मिलियन मीट्रिक टन उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है, जिससे भारत न केवल अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करेगा बल्कि निर्यातक देश भी बन सकेगा। सही मायने में अक्षय ऊर्जा ही आज भारत में विभिन्न रूपों में ऊर्जा की जरूरतों का प्रमुख विकल्प है, जो पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ-साथ टिकाऊ भी है। भारत धीरे-धीरे ही सही, अब इस दिशा में आगे बढ़ रहा है और आज समय है कि हम आर्थिक बदहाली और भारी पर्यावरणीय विनाश की कीमत पर ताप, जल एवं परमाणु ऊर्जा जैसे पारम्परिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भर रहने के बजाय अपेक्षाकृत बेहद सस्ते और कार्बन रहित पर्यावरण हितैषी ऊर्जा स्रोतों के व्यापक स्तर पर विकास के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ें। साथ ही हमें ऊर्जा की बचत की आदतें भी अपनानी होंगी क्योंकि ऊर्जा का विवेकपूर्ण उपयोग ही हमें सुरक्षित, समृद्ध और स्वच्छ भविष्य की ओर ले जाएगा।

समुद्र मंथन की पीड़ा से प्रयाग में विश्राम तक

प्रयागराज का नाम और मान मां गंगा, यमुना और अगोचर सरस्वती के पावन त्रिवेणी संगम के कारण विख्यात है। मान्यता है कि इस पावन संगम में डुबकी लगाने का पुण्य लाभ तब तक अर्जित नहीं होता, जब तक श्रद्धालु स्नान, दान और पूजन के बाद गंगा तट पर अवस्थित कुछ प्रमुख मंदिरों में स्थापित देवी-देवताओं के दर्शन-पूजन न कर लें। इन प्रमुख मंदिरों में नाग वासुकी देवता का दर्शन और पूजन भी शामिल है। हिन्दू पौराणिक कथाओं में नाग वासुकी को एक महत्वपूर्ण नाग माना गया है। वे महर्षि कश्यप के पुत्र, शेषनाग के भाई और नागों के राजा कहे जाते हैं। उनका प्राचीन मंदिर गंगा तट पर दारागंज में स्थित है। नाग वासुकी भगवान शिव के परम भक्त हैं और वे सदैव आभूषण की तरह भगवान

शिव के गले में लिपटे रहते हैं। इस मंदिर के पौराणिक महत्व को देखते हुए इसे प्रयाग परिक्रमा में शामिल किया गया है।

प्रयागराज से नाग वासुकी का नाता

प्राचीन हिन्दू धर्म ग्रंथों–स्कंद पुराण, पद्म पुराण, भागवत पुराण और महाभारत जैसे कालजयी ग्रंथों–में नाग वासुकी का उल्लेख मिलता है। उन्होंने समुद्र मंथन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

तीर्थराज प्रयाग में नाग वासुकी के निवास को लेकर कई धार्मिक कथाएं प्रचलित हैं, जिनमें सबसे चर्चित कथा समुद्र मंथन से जुड़ी है। कहा जाता है कि समुद्र मंथन के समय देवताओं और दानवों ने नाग वासुकी को ही मंदराचल पर्वत में रस्सी की तरह लपेटकर मंथन किया था। कई दिनों तक चले इस मंथन में घर्षण के कारण नाग वासुकी का पूरा शरीर लहूलुहान हो गया। भगवान विष्णु ने नाग वासुकी को प्रयागराज में त्रिवेणी तट पर विश्राम करने को कहा। त्रिवेणी के जल से नाग वासुकी का शरीर स्वस्थ हो गया। उसी समय से नाग वासुकी प्रयागराज में निवास करने लगे। इससे जुड़ी एक अन्य कथा में कहा जाता है कि भगवान शिव की नगरी काशी (अब वाराणसी) के राजा दिवोदास ने नाग वासुकी को काशी लाने के लिए तपस्या की। वासुकी काशी जाने के लिए तैयार भी हो गए, लेकिन जब देवताओं को यह बात पता चली तो उन्होंने वासुकी को प्रयाग में ही निवास करने के लिए कहा। नाग वासुकी अपनी कुछ शर्तों पर प्रयाग में रहने को तैयार हुए।

नाग वासुकी की शर्तें

नाग वासुकी ने प्रयाग में रहने के लिए दो प्रमुख शर्तें रखीं। पहली, जो श्रद्धालु त्रिवेणी संगम में स्नान करने आएंगे, उन्हें स्नान के बाद उनका दर्शन करना होगा, अन्यथा उनका स्नान पुण्य अधूरा रहेगा। दूसरी शर्त यह थी कि श्रावण माह में नाग पंचमी पर्व पर उनकी विशेष पूजा की जाएगी। कहा जाता है कि इसी कारण नाग वासुकी देवता का मंदिर संगम के समीप उत्तर-पश्चिम दिशा में स्थापित किया गया।

मंदिर की प्राचीनता

प्रयागराज में नाग वासुकी मंदिर की स्थापना महाभारत काल की बताई जाती है। कहा जाता है कि भगवान कृष्ण एक बार नाग वासुकी देवता के दर्शन करने यहां आए थे। उसी समय से यह मंदिर नाग देवता की पूजा के लिए विख्यात हो गया। वर्तमान मंदिर की स्थापना 10वीं शताब्दी की बताई जाती है। कुछ स्थानों पर उल्लेख मिलता है कि 18वीं शताब्दी में मराठा राजा श्रीधर भोंसले द्वारा इस मंदिर का भव्य रूप से विस्तार कराया गया।

मूल मंदिर के गर्भगृह में नाग वासुकी देवता की अत्यंत आकर्षक मूर्ति स्थापित है। दोनों ओर नागों तथा गणेश जी की छोटी-छोटी प्रतिमाएं रखी गई हैं। मंदिर परिसर के ईशान कोण में भगवान माधव के बारह स्वरूपों में से एक ह्यअसि माधवह्ल का ऐतिहासिक मंदिर है। इसके अतिरिक्त हनुमान जी का मंदिर तथा पीपल के वृक्ष में शनिदेव की प्रतिमा भी स्थापित है। मंदिर की दीवारों पर निर्मित अनेक मूर्तियां इसकी प्राचीनता और शिल्पकला को प्रमाणित करती हैं।

पुरातत्व विभाग का संरक्षण

हिन्दू धर्म की इस प्राचीन धरोहर की देखभाल का दायित्व भारतीय पुरातत्व विभाग के पास है। मंदिर में मौजूद ऐतिहासिक महत्व की मूर्तियों, शिलालेखों और कलाकृतियों के संरक्षण के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। इसे संरक्षित स्थल के रूप में प्रमाणित किया गया है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची, (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए 35 सदस्यीय जिला टीम धनबाद रवाना

साहिबगंज : झारखंड एथलेटिक्स संघ, रांची एवं धनबाद जिला एथलेटिक्स संघ द्वारा आगामी 21-22 अगस्त, 2026 स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स धनबाद में आयोजित 3री सब जूनियर झारखंड राज्य स्तरीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए जिले में खेल विभाग द्वारा संचालित आवासीय बालक डे बोर्डिंग बालक एवं बालिका एथलेटिक्स प्रशिक्षण केंद्र समेत जिले से 35 सदस्यीय जिला टीम कोच योगेश यादव, अशोक साहनी, निमाई चौधरी के नेतृत्व में धनबाद के लिए रवाना हुई।जिले के एथलीटों को उपायुक्त श्री दीपक कुमार दुबे, पुलिस अधीक्षक श्री अमित कुमार सिंह, उपविकास आयुक्त सतीश चंद्रा, जिला खेल पदाधिकारी श्री नयन कुमार समेत जिले वासियों ने शुभकामना दी।

जलापूर्ति योजनाओं की गुणवत्ता एवं प्रगति की हुई गहन समीक्षा

साहिबगंज : जिले में आमजनों को गुणवत्तापूर्ण एवं सुचारू पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आज उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में उपायुक्त साहिबगंज द्वारा गठित तकनीकी एवं प्रशासनिक पदाधिकारियों के संयुक्त दल द्वारा बरहेट, पतना, बरहरवा एवं राजमहल प्रखंड अंतर्गत संचालित विभिन्न जलापूर्ति योजनाओं का स्थल निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान संयुक्त दल द्वारा संबंधित जलापूर्ति योजनाओं की भौतिक प्रगति, निर्माण कार्य की गुणवत्ता, जलापूर्ति की स्थिति, तकनीकी मानकों के अनुपालन एवं योजनाओं के संचालन से संबंधित बिंदुओं की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई।अधिकारियों ने स्थल पर योजनाओं की वास्तविक स्थिति का जायजा लेते हुए आवश्यक तकनीकी एवं प्रशासनिक पहलुओं की जानकारी ली।उप विकास आयुक्त श्री सतीश चंद्रा ने संबंधित पदाधिकारियों एवं तकनीकी टीम को निर्देशित किया कि जलापूर्ति योजनाओं के कार्यों में गुणवत्ता एवं समयबद्धता का विशेष ध्यान रखा जाए। आम नागरिकों को नियमित एवं सुचारू पेयजल उपलब्ध कराने के लिए योजनाओं के संचालन एवं रख-रखाव में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए। साथ ही जहां कहीं कार्यों में तकनीकी और अन्य आवश्यक सुधार की जरूरत हो, वहां तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।निरीक्षण के क्रम में संबंधित प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारी, तकनीकी पदाधिकारी एवं संबंधित कनीय अभियंता उपस्थित रहे। अधिकारियों द्वारा स्थल पर आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराते हुए संयुक्त निरीक्षण दल को योजनाओं की प्रगति से अवगत कराया गया।

150 किशोरियों को माहवारी स्वच्छता का पाठ, रोटरी क्लब ने बांटे सैनिटरी पैड

कोडरमा : रोटरी क्लब ऑफ कोडरमा की ओर से सी.एच. हाई स्कूल में मेस्ट्रुअल हाइजीन एंड अवेयरनेस एवं सैनिटरी पैड वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय की करीब 150 किशोरियों को सैनिटरी पैड वितरित कर माहवारी के दौरान स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान महिला रोटेरियन माला दारूका, ऋतु सेठ, कविता दारूका एवं आरती आर्य ने किशोरियों से संवाद कर माहवारी को सामान्य एवं प्राकृतिक प्रक्रिया बताते हुए इससे जुड़ी झिझक और संकोच दूर करने का संदेश दिया। उन्होंने सैनिटरी पैड के सही इस्तेमाल, समय. समय पर पैड बदलने, हाथों एवं निजी अंगों की स्वच्छता तथा इस्तेमाल किए गए पैड के सुरक्षित निपटान की जानकारी दी। संक्रमण से बचाव, पौष्टिक आहार और पर्याप्त पानी के सेवन के महत्व पर भी चर्चा की गई। किशोरियों को बताया गया कि अत्यधिक दर्द, असामान्य रक्तस्राव अथवा अन्य स्वास्थ्य संबंधी परेशानी होने पर इसे नजरअंदाज न करें और अभिभावक, शिक्षिका या स्वास्थ्य विशेषज्ञ से सलाह लें। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के प्राचार्य कृष्ण कांत तिवारी एवं शिक्षिका वंदना जी का महत्वपूर्ण योगदान रहा। मौके पर रोटरी क्लब अध्यक्ष रोटेरियन नवीन कुमार आर्य, रोटेरियन संदीप सिन्हा एवं धर्मेंद्र कुमार मौजूद रहे। वक्ताओं ने कहा कि किशोरियों को पैड के साथ सही जानकारी देना भी जरूरी है। कार्यक्रम के माध्यम से स्वच्छता, स्वास्थ्य और सम्मान का संदेश दिया गया।

गर्भवती महिला से मारपीट कर गर्भपात कराने का आरोप, आरोपी गिरफ्तार

मरकच्चो (कोडरमा) : आपसी विवाद में गर्भवती महिला के साथ मारपीट कर गर्भपात कराने के आरोप में मरकच्चो पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। थाना प्रभारी बमबम कुमार ने बताया कि बरवाडीह निवासी गोविन्द साव को मंगलवार की शाम उसके घर पर छापेमारी कर गिरफ्तार किया गया। बुधवार सुबह आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, करीब पांच दिन पूर्व पीड़िता के पति विकास साव ने मरकच्चो थाना में लिखित आवेदन देकर आरोप लगाया था कि आपसी विवाद के दौरान गोविन्द साव ने उसकी गर्भवती पत्नी के साथ मारपीट की। आरोप है कि मारपीट के बाद महिला का गर्भपात हो गया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। जांच के दौरान आरोपी की संलिप्तता सामने आने पर पुलिस ने उसके घर दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया।

मालदा मंडल ने मालदा टाउन स्टेशन पर की दवा दोस्त स्टॉल और मोबाइल फूड वैन की सुविधा शुरू

संवाददाता

साहिबगंज : यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए।पूर्व रेलवे के मालदा मंडल ने मालदा टाउन रेलवे स्टेशन पर दो नई सुविधाएं शुरू की हैं। दवा दोस्त मेडिकल स्टोर और मोबाइल फूड वैन। इन सुविधाओं का उद्देश्य यात्रियों एवं स्टेशन पर आने वाले अन्य लोगों को आवश्यक सेवाएं एवं अधिक सुविधा उपलब्ध कराना है।

इन पहलों को मालदा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री मनीष कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में कार्तिक सिंह वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, मालदा के पर्यवेक्षण में शुरू किया गया है।स्टेशन के सकुर्लेटिंग एरिया में स्थापित मोबाइल फूड वैन यात्रियों एवं आगंतुकों को ताजा, स्वच्छ, किफायती एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन और स्नैक्स उपलब्ध कराएगी। इससे यात्रियों को अपनी यात्रा के दौरान स्टेशन परिसर में ही सुविधाजनक भोजन विकल्प मिल सकेंगे।दवा दोस्त मेडिकल स्टोर के माध्यम से ब्रांडेड जेनेरिक दवाओं के साथ-साथ सामान्य रूप से उपयोग की जाने वाली अन्य दवाएं तथा विभिन्न सामान्य स्वास्थ्य एवं व्यक्तिगत देखभाल संबंधी उत्पाद उपलब्ध होंगे। स्टोर में महिलाओं की देखभाल से संबंधित उत्पाद, शिशु देखभाल सामग्री तथा शिशु एवं मातृ आहार उत्पाद भी उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे यात्रियों की विभिन्न आवश्यकताओं की पूर्ति हो सकेगी।दवा दोस्त स्टोर की एक प्रमुख विशेषता इसकी

247 उपलब्धता है, जिससे यात्री एवं स्टेशन उपयोगकर्ता दिन या रात किसी भी समय आवश्यक दवाएं एवं संबंधित उत्पाद प्राप्त कर सकेंगे।

वर्तमान में मालदा मंडल के तीन स्टेशनों मालदा टाउन भागलपुर और जमालपुर में दवा दोस्त सुविधा कार्यरत है। भविष्य में इस सुविधा का विस्तार मंडल के अन्य महत्वपूर्ण स्टेशनों जिनमें सुल्तानगंज, पीरपैंती एवं बरहरवा शामिल हैं।तक किए जाने की योजना है।

दवा दोस्त मेडिकल स्टोर और मोबाइल फूड वैन, दोनों ही स्टेशन के सकुर्लेटिंग एरिया में स्थापित किए गए हैं, जिससे यात्रियों के लिए इन तक पहुंच आसान और सुविधाजनक हो सके। विशेष रूप से अधिक यात्री आवागमन वाले समय में ये सुविधाएं स्टेशन परिसर के भीतर ही आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराने में काफी उपयोगी साबित होंगी।इन सुविधाओं की शुरूआत के साथ, मालदा मंडल यात्री सुविधा बढ़ाने स्टेशन की सुविधाओं को बेहतर बनाने और रेल यात्रियों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के अपने निरंतर प्रयासों को और मजबूत कर रहा है।

प्रकृति की रक्षा करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है : रामनाथ

संवाददाता

साहिबगंज : महाविद्यालय साहिबगंज में पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 77वाँ वन महोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। श्रमदान एवं पौधारोपण के साथ आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि साहिबगंज नगर परिषद के अध्यक्ष रामनाथ पासवान और महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रणजीत कुमार सिंह ने मुख्य अतिथि को अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत व सम्मान किया।क्लीन साहिबगंज ग्रीन साहिबगंज एवं हेल्दी साहिबगंज की संकल्पना के साथ आयोजित इस कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य लोगों, प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों ने पौधारोपण कर पर्यावरण को हरा-भरा बनाए रखने का संदेश दिया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री रामनाथ पासवान ने

महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा आयोजित वन महोत्सव कार्यक्रम की सराहना करते हुए सभी लोगों से पर्यावरण संरक्षण के लिए हरसंभव प्रयास करने की अपील की महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.रणजीत कुमार सिंह ने अपने संदेश में कहा कि प्रकृति की रक्षा करना और स्वच्छ हरा-भरा वातावरण बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिक से अधिक पौधे लगाने एवं उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया।कार्यक्रम में महाविद्यालय के मैथिली विभागाध्यक्ष डॉ. ध्रुव ज्योति कुमार सिंह, लाइफ साइंस विभागाध्यक्ष डॉ. मीरा चौधरी, डॉ. संतोष कुमार चौधरी, डॉ. जीसू हसदा, डॉ. अनिल कुमार, डॉ. प्रिया सिंह, डॉ. अक्षय कुमार वर्मा, डॉ. रूपा दास, प्रो. कुमार प्रशांत भारती सहित अन्य प्राध्यापक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

उपायुक्त ने पीसी व पीएनडीटी जिला सलाहकार समिति की बैठक की

संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में पीसी और पीएनडीटी की जिला सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में समिति के समक्ष निर्धारित विभिन्न एजेंडों पर विस्तृत विचार-विमर्श करते हुए संबंधित पदा धिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में द्वारा पीसी पीएनडीटी अधिनियम के अंतर्गत अवधि विस्तार एवं डॉ. एम एस ओबीएस व जीवाई एनएइ के पंजीकरण हेतु समर्पित आवेदन पर जाँच समिति के प्रतिवेदन एवं की गई कार्रवाई की समीक्षा की गई तथा आवश्यक निर्णय लिए गए।इसी क्रम में नेशनल अल्ट्रासाउंड & बीएल आईएन आईसी उधवा बाजार द्वारा पंजीकरण हेतु प्राप्त आवेदन द्वारा आईभीएफ के लिए पंजीकृत अल्ट्रासाउंड मशीन बदलने संबंधी प्रस्ताव, के पंजीकरण आवेदन तथा रूबी हेल्थ सेंटर राजमहल द्वारा चिकित्सक परिवर्तन हेतु प्राप्त आवेदन पर जाँच समिति के प्रतिवेदन के आधार पर आवश्यक निर्णय एवं दिशा-निर्देश दिए गए।बैठक में अल्ट्रासाउंड के औचक निरीक्षण से प्राप्त जाँच प्रतिवेदन के आलोक में पूछे गए स्पष्टीकरण के प्रत्युत्तर पर भी समिति द्वारा विचार-विमर्श किया गया। साथ ही, जिले में संचालित अल्ट्रासाउंड केंद्रों में कार्यरत चिकित्सकों की शैक्षणिक योग्यता एवं निर्धारित मापदंडों के अनुरूप अल्ट्रासाउंड करने की अनुमति से संबंधित विषय पर भी चर्चा की गई।उपायुक्त ने पीसी व पीएनडीटी अधिनियम एवं निर्धारित नियमों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करने, पंजीकृत संस्थानों की नियमित निगरानी एवं निरीक्षण तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई करने का निर्देश दिया।मौके पर सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान, डॉ. मोहन मुर्मू, सहायक नोडल पदाधिकारी पीसी व पीएनडीटी , डॉ. आशुतोष कुमार शिशु रोग विशेषज्ञ सदर अस्पताल, सुरेश निर्मल, समाजसेवी सहित समिति के अन्य सदस्य एवं संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

साहिबगंज में बंद घर में चोरी का खुलासा पश्चिम बंगाल में छिपाए गए सोने-चांदी के जेवरात बरामद

संवाददाता

साहिबगंज : नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत गुल्लीभट्टा में बीते 14-15 अगस्त की रात एक बंद घर का ताला तोड़कर हुई भीषण चोरी के मामले का पुलिस ने सफल उद्भेदन कर लिया है। मामले में पुलिस ने चोरी गए सोने और चांदी के सभी जेवरात बरामद कर लिए हैं, जिन्हें आरोपी ने पश्चिम बंगाल स्थित अपने घर में जमीन के अंदर गाड़कर छिपा रखा था। इस मामले में पुलिस ने एक नाबालिग को निरुद्ध किया है ।जबकि मुख्य आरोपी पहले से ही आर्म्स एक्ट के एक मामले में पश्चिम बंगाल की जेल में बंद है।पड़ोसी के दामाद ने नाबालिग संग मिलकर दिया था।

घटना को अंजाम

जानकारी के अनुसार, गुल्लीभट्टा निवासी ज्योति कुमारी पति शशिकांत के घर अज्ञात चोरों ने ताला तोड़कर गहने व अन्य कीमती सामान चुरा लिए थे। पीड़िता के आवेदन पर नगर थाने में कांड संख्या 150/26 दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया।सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों और गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस को पता चला कि पीड़िता के घर के सामने रहने वाले मंटू पासवान के दामाद विशाल पासवान निवासी कंचनपॉली, थाना रायगंज, जिला उत्तर दिनाजपुर, पश्चिम बंगाल ने एक नाबालिग के साथ मिलकर चोरी की इस वारदात को अंजाम दिया था।

जमीन खोदकर निकाले गए चुराए हुए जेवरात

पुलिस टीम जब आरोपी के पश्चिम बंगाल स्थित ठिकाने पर पहुंची, तो पता चला कि मुख्य अभियुक्त विशाल पासवान रायगंज थाना में दर्ज आर्म्स एक्ट के एक मामले कांड सं. 943/26 में पहले से ही रायगंज सुधार गृह जेल में बंद है। पुलिस ने मामले में संलिप्त नाबालिग की निशानदेही पर विशाल पासवान के घर में जमीन में गाड़कर रखे गए चोरी के सामान बरामद किए। निरुद्ध नाबालिग को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।बरामद सामानों की सूची सोने के आभूषण एक मंगलसूत्र, एक हार, एक चेन, दो जोड़ी कान के टॉप्स,बाली, एक अलग टॉप्स, एक सिक्का और एक नाक की बेसर।चांदी के सामानः 5 जोड़ी पायल, एक छोटी कटोरी, एक सिक्का और एक सिंदूरदानी अन्य अंगूठी के तीन नग 2 सफेद, 1 हरा और एक नीले रंग का पिठू बैग।छापेमारी दल में नगर थाना के पु०अ०नि० गुलाम सरवर, पु०अ०नि० मो० आफताब अंसारी एवं चौकीदार शामिल थे।

प्राथमिकी अभियुक्त मेघनाथ नोनिया को किया गया गिरफ्तार

साहिबगंज/तीनपहाड़ : गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के बाबूपुर ग्राम निवासी मेघनाथ नोनिया पिता स्व रामहरत नोनिया अवैध शराब बिक्री करते हुए पकड़ा गया।छापामारी के क्रम में अभियुक्त के घर से रॉयल स्टेज विस्की 180 मिली लीटर,सेवन पीएम 2 गॉडफादर बेयर 500 एमएल 34 पीस,किंग फिशर बेयर 500 एमएल 21 पिस ,कार्ल्सबर्ग एलिफेंट बेयर500 एमएल 7 पिस बरामद किया गया।इस संबंध में थाना प्रभारी तीनपहाड़ गौरव भगत के बयान के आधार पर तीनपहाड़ थाना काण्ड संख्या 45/2026, 19 अगस्त धारा 274/275/292/3(5) बीएनएस 47(ए) इएक्ससीआईएसइ एक्ट दर्ज कर कांड के प्राथमिकी अभियुक्त मेघनाथ नोनिया को विधिवत गिरफ्तार कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।इस दौरान राजमहल इंस्पेक्टर राजीव रंजन मौजूद थे।

अनधिकृत रूप से ई-टिकट बुकिंग करने के आरोप में किया गिरफ्तार

साहिबगंज : साइबर सेल हावड़ा एवं डीएएससी आरपीएफ मालदा से प्राप्त पीआरएबीएएल इनपुट के आधार पर व्यक्तिगत यूजर आईडी के माध्यम से रेलवे ई-टिकटों की अनधिकृत बुकिंग एवं आपूर्ति किए जाने के संबंध में प्रज्ञा केंद्र, उत्तर पीयारपुर में आरपीएफ इंस्पेक्टर बड़हरवा संजीव कुमार के नेतृत्व में एकएसआई,जलेश्वर कुमार दुबे सीटी अनिल कुमार साह व सीटी अमरेश कुमार,आरपीएफ पोस्ट बरहरवा और स्थानीय पुलिस थाना राधानगर के सहयोग से छापेमारी की गई। तलाशी के दौरान गोलाम मोहम्मद 28 वर्ष को व्यक्तिगत आईआर सीटीसी यूजर आईडी के माध्यम से अनधिकृत रूप से ई-टिकट बुकिंग करते हुए पाया गया। उसके कब्जे ,उपयोग से 09 व्यक्तिगत यूजर आईडी, 3 लाइव भविष्य यात्रा के ई-टिकट तथा 6 पूर्व यात्रा के ई-टिकट, जिनकी कुल कीमत ₹19,579.80 है।इसके अतिरिक्त 1 एचपी लैपटॉप, 1एलइएन ओभीओ लैपटॉप व 1आरइएएलएमइ मोबाइल फोन, साथ ही संबंधित ई-टिकटों को गवाहों की उपस्थिति में विधिवत जब्ती सूची के तहत जब्त किया गया।उक्त व्यक्ति को सभी आवश्यक कानूनी औपचारिकताओं का पालन करते हुए रेलवे अधिनियम की धारा 143 के अंतर्गत गिरफ्तार किया गया और आरपीएफ व पोस्ट बरहरवा कांड संख्या 663/2026, दिनांक 18 अगस्त धारा 143 रेलवे अधिनियम के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया ।

सांवरे की सखियां का 39वां कीर्तन धूमधाम से संपन्न

बाबा श्याम के भजनों पर झूमे श्रद्धालु, महिलाओं व बच्चियों ने भक्तिमय माहौल में दी विशेष प्रस्तुतियां

मेट्रो रेज संवाददाता

झुमरी तिलैया : इन दिनों चारों ओर बाबा श्याम के भजन-कीर्तन की धूम है। इसी क्रम में सांवरे की सखियाँ का 39वां कीर्तन शिक्षिका पायल पंकज जोशी के कोचिंग संस्थान विक्टर क्लासेस छाबड़ा होटल गली में श्रद्धा और उल्लास के साथ धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्याम प्रेमी श्रद्धालुओं ने भाग लिया और बाबा श्याम के चरणों में भक्ति के पुष्प अर्पित किए। कीर्तन के दौरान श्रद्धालुओं ने एक से बढ़कर एक मधुर भजनों की प्रस्तुति देकर बाबा श्याम को रिझाया। भजनों की भक्तिमय धुनों से पूरा वातावरण श्याममय हो उठा। श्रद्धालु बाबा के भजनों पर झूमते और जयकारे लगाते नजर आए।

कार्यक्रम की विशेष आकर्षण छोटी. छोटी बच्चियों द्वारा बाबा श्याम का नून-राई कर नजर उतारने की रस्म रही। बच्चियों की इस मनमोहक प्रस्तुति ने उपस्थित श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। वहीं महिलाओं ने भी उत्साहपूर्वक भजनों पर झूमते हुए बाबा श्याम का गुणगान किया।

इस अवसर पर उषा शर्मा एवं पूनम सहल सहित अन्य श्याम प्रेमियों ने भजनों की प्रस्तुति दी।

भजनों के दौरान श्रद्धालु भक्त भाव-विभोर होकर झूमते नजर आए। पूरे आयोजन में आपसी प्रेम, श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने बाबा श्याम से परिवार एवं समाज की सुख-समृद्धि की कामना की। मौके पर सारिका गुप्ता, संगीता शर्मा, पायल पंकज जोशी, कृतिका मोदी, रुक्मिणी जोशी, रेखा मोदी, कृष्णा जोशी, देविका जोशी, बबीता जोशी, प्राची जोशी, बबीता विकास जोशी, शांति कपसिमें, मंजू कपसिमें, रश्मि कपसिमें, नीतू कपसिमें, सारिका कपसिमें, वृद्धि कपसिमें, दीप्ति अग्रवाल, अंजली वर्मा, अर्पण मोदी, संध्या मोदी, पिंकी मोदी, श्वेता मोदी समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं श्याम प्रेमी उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन बाबा श्याम के जयकारों एवं भक्तिमय वातावरण के बीच हुआ। उपस्थित श्रद्धालुओं ने आयोजन को यादगार बताते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार धार्मिक एवं भक्ति कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही।

द डिप्लोमैट के बाद फिर साथ काम करेंगे जॉन अब्राहम और शिवम नायर?

फिल्म 'द डिप्लोमैट' के बाद जॉन अब्राहम एक बार फिर शिवम नायर की फिल्म में नजर आने वाले हैं। ऐसी चर्चा है कि दोनों ने आगामी प्रोजेक्ट के लिए हाथ मिलाया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों जिस एक्शन थ्रिलर फिल्म पर काम कर रहे हैं, उसका अभी कोई नाम नहीं रखा गया है। इसमें दो मेल लीड होंगे।

जॉन को तुरंत पसंद आया फिल्म का कॉन्सेप्ट

रिपोर्ट्स के मुताबिक जॉन की अगली फिल्म एक कमर्शियल एंटरटेनर होगी। इसे शिवम नायर के अब तक के सबसे मेनस्ट्रीम प्रोजेक्ट्स में से भी एक बताया जा रहा है। हालांकि, फिल्म की बाकी कास्ट और दूसरे हीरो को लेकर अभी कोई जानकारी नहीं है। बॉलीवुड हंगामा के अनुसार, शुरुआती बातचीत के दौरान ही जॉन अब्राहम को यह प्रोजेक्ट पसंद आ गया। पोर्टल की रिपोर्ट के मुताबिक, 'जॉन इस कॉन्सेप्ट से बहुत प्रभावित हुए और तुरंत इसके लिए तैयार हो गए'। जॉन की इस फिल्म को लेकर खबर है कि मेकर्स इस साल के आखिर तक फिल्म की शूटिंग शुरू करने की योजना बना रहे हैं। आने वाले महीनों में प्रोडक्शन शेड्यूल तय होने की उम्मीद है। फिलहाल इस प्रोजेक्ट को 2027 के आखिर में सिनेमाघरों में रिलीज करने की तैयारी है। मेकर्स की ओर से आधिकारिक एलान होने के बाद ही फिल्म के टाइटल, कास्ट और प्रोडक्शन के बारे में और जानकारी सामने आने की उम्मीद है।

फिल्म 'द डिप्लोमैट' साल 2025 में आई

जॉन अब्राहम और शिवम नायर ने पहली बार फिल्म 'द डिप्लोमैट' में साथ काम किया था। यह फिल्म साल 2025 में रिलीज हुई थी। 2025 में आई यह फिल्म उज्मा अहमद की असल जिंदगी की कहानी और पाकिस्तान में बंधक बनाए जाने के बाद भारत लौटने की उनकी कोशिशों पर आधारित थी। जॉन ने भारत के डिप्टी हाई कमिश्नर जे पी सिंह का किरदार निभाया।

जॉन अब्राहम के कई प्रोजेक्ट्स लाइन में हैं

शिवम नायर की फिल्म के अलावा जॉन अब्राहम के पास कई और प्रोजेक्ट्स हैं। उनकी आगामी फिल्मों में 'फोर्स 3' शामिल है। यह एक्शन थ्रिलर फिल्म 19 मार्च, 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। जॉन मुंबई पुलिस के पूर्व कमिश्नर राकेश मारिया की बायोपिक से भी जुड़े हैं, इसका नाम अभी तय नहीं है। रोहित शेट्टी इस प्रोजेक्ट को डायरेक्ट करेंगे।

तकनीक कभी भी कला की जगह नहीं ले सकती

अभिनेत्री तेजस्वी प्रकाश इन दिनों वेब गेमिंग रियलिटी शो 'प्लेग्राउंड' के 5वें सीजन में जज और मेंटोर के रूप में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि एआई किसी भी इंसानी चीजों की जगह नहीं ले सकता है। गेमिंग शो के प्रमोशन के दौरान मुंबई में अभिनेत्री ने बातचीत की। इस दौरान अभिनेत्री से पूछा गया कि क्या तकनीक कला को खत्म कर रही है। इस सवाल का जवाब अभिनेत्री ने बड़ी सहजता से दिया। उन्होंने कहा, 'तकनीक कभी भी असली आर्ट को रिप्लेस नहीं कर सकती है और इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कितने भी ऐसे शो हों, जिनमें एआई का इस्तेमाल किया गया हो। हमने अपने शो में एक एआई कॉन्सेप्ट भी शामिल किया है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम इस शो में एआई को मेंटर बना देंगे, मुझे नहीं लगता कि ऐसा कभी हो सकता है।'

हालांकि, अभिनेत्री ने भी माना कि कुछ हद तक, विजुअल एंटरटेनमेंट में, एआई बेहतर बनाने के लिए एक कारगर टूल हो सकता है। बता दें कि अभिनेत्री इन दिनों अरुष भोला, एल्विश यादव के साथ गेमिंग रियलिटी शो में मेंटोर के रूप में नजर आ रही हैं। ये तीनों इस सीजन में अलग-अलग टीमों का नेतृत्व करते नजर आएंगे। इसके अलावा, इस शो के मुख्य फाउंडर्स और निर्माताओं (जैसे कैरी मिनाटी, मोर्टल और ट्रिगर इनसान) भी अलग-अलग रूपों में इस सीरीज से जुड़े हुए हैं। शो की बात करें, तो यह भारत का पहला गेमिंग और ई-स्पोर्ट्स रियलिटी शो है, जो एंटरटेनमेंट, कंपटीशन और इन्फ्लुएंसर कल्चर को एक साथ मिलाकर बना शो है। यह शो वर्चुअल प्लेग्राउंड के कॉन्सेप्ट पर बना हुआ है। इसमें यंग क्रिएटर्स, गेमर्स और इंटरनेट की मशहूर हस्तियां एक साथ आती हैं। इसमें अलग-अलग चैलेंज में हिस्सा लिया जाता है और साथ ही दोस्ती, दुश्मनी और टीम वर्क को भी मैनेज किया जाता है। यह शो प्रमुख ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन एमएक्स प्लेयर पर स्ट्रीम किया जा रहा है।

अब खुद को निर्दोष साबित करना चाहती हूं

अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती 'द ट्रेटर्स' सीजन 2' का हिस्सा हैं। इस शो में एक बातचीत के दौरान रिया ने अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद अपने ऊपर हुई जांच-पड़ताल के बारे में बात की है। रिया ने कहा... शो 'द ट्रेटर्स 2' में अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती ने कहा कि कई साल तक शक के दायरे में रहने के बाद अब वह लोगों के नजरिए में निर्दोष साबित होना चाहती हैं। रिया ने कहा मैं कई साल तक संदेह के घेरे में रहने के बाद खुद को निर्दोष साबित करना चाहती हूं। कई साल मैंने लोगों के शक में रहकर गुजारे हैं। मैं अब इसे खत्म करना चाहती हूं। मुझे इस साल क्लीन चिट मिल चुकी है। मैं चाहती हूं कि सब मुझे बेगुनाह समझें।

क्या है 'द ट्रेटर्स 2'

द ट्रेटर्स की कहानी दो ग्रुप्स के इर्द-गिर्द घूमती है। इस ग्रुप में इनोसेंट्स को मिलकर छिपे हुए गद्दारों की पहचान करनी होगी और उन्हें प्रतियोगिता से बाहर होने से पहले ही खत्म करना होगा। वहीं, गद्दार अपनी पहचान छिपाते हुए चुपके से दूसरों के खिलाफ साजिश रचते हैं।

रुक्मिणी वसंत ने शुरू की अपनी अगली फिल्म शूटिंग की

रुक्मिणी वसंत का करियर रुकने का नाम ही नहीं ले रहा! एक के बाद एक नए प्रोजेक्ट्स के साथ अब एक्ट्रेस ने अपनी अगली फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है, यानी उनकी बढ़ती-चढ़ती फिल्मोग्राफी में एक और एक्साइटिंग प्रोजेक्ट की एंट्री हो गई है। हाल ही में रुक्मिणी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म के क्लैपबोर्ड की एक झलक शेयर करते हुए शूटिंग शुरू होने की ऑफिशियल अनाउंसमेंट कर दी। इस अनटाइटल्ड मलयालम फिल्म में रुक्मिणी के साथ मलयालम स्टार निन पाउली नजर आएंगे। यानी साउथ के दो टैलेंटेड स्टार्स का ये कॉम्बिनेशन पहले से ही काफी इंटरेस्टिंग लग रहा है। सेट से एक झलक शेयर करते हुए रुक्मिणी ने लिखा, 'और बस, ये सफर शुरू हो गया।

किसी ऐसी जगह का हिस्सा बनना, जिसे आपने इतने लंबे समय तक दूर से निहारा और सराहा हो, अपने आप में बेहद खास एहसास है। और अब उसी जगह का एक छोटा सा हिस्सा बन पाना मेरे लिए वाकई बहुत स्पेशल फर्स्ट है। इस प्रोजेक्ट के लिए दिल से शुक्रगुज़ार हूँ '। अब फिल्म की टीम भी इसकी एक्साइटमेंट को और बढ़ा रही है। इस प्रोजेक्ट को चार्ली और नयट्टु जैसी शानदार फिल्मों के लिए पहचाने जाने वाले फिल्ममेकर-प्रोड्यूसर मार्टिन प्रक्कट का सपोर्ट मिला है। वहीं जय जय जय जय जय हे के राइटर्स में शामिल रहे नाशिद इस फिल्म को डायरेक्ट कर रहे हैं। रुक्मिणी वसंत और निन पाउली के साथ इन नामों का जुड़ना हक्क1 को मलयालम सिनेमा की मोस्ट इंटरेस्टिंग अपकमिंग फिल्मों में से एक बना रहा है। सप्त सागरदाचे एलो और कंतारा जैसी फिल्मों में अपनी शानदार परफॉर्मेंस से रुक्मिणी ने अपनी अलग पहचान बनाई है। कभी सिर्फ एक प्रॉमिसिंग कन्नड़ टैलेंट के तौर पर देखी जाने वाली रुक्मिणी अब धीरे-धीरे पूरे साउथ इंडियन सिनेमा में सबसे ज्यादा डिमांड वाली यंग एक्ट्रेसेस में अपनी जगह बना चुकी हैं। रुक्मिणी अब टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स को लेकर भी तैयार हैं। इसके अलावा उनके खाते में मच-अवेटेड बिग-टिकट फिल्म ड्रैगन भी है।

इमरान हाशमी ने ली आवारापन से 10 गुना ज्यादा फीस!

इमरान हाशमी की कल्ट क्लाकिस फिल्म 'आवारापन' का सीक्वल 'आवारापन 2' सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है। फिल्म में दिशा पटानी और शबाना आजनी भी अहम किरदारों में है। इन एक्टर्स ने फिल्म के लिए कितनी फीस चार्ज की है। फिल्म 'आवारापन 2' को लेकर दर्शकों के बीच काफी बज बना हुआ है। फिल्म की रिलीज से पहले अब इसकी स्टारकास्ट की कथित फीस को लेकर भी जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, इमरान हाशमी फिल्म के सबसे ज्यादा फीस लेने वाले एक्टर हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, इमरान हाशमी को 'आवारापन 2' में अपने आइकॉनिक किरदार शिव पंडित को दोबारा निभाने के लिए करीब 12 करोड़ रुपये फीस दी जा रही है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि यह फीस उन्हें 2007 में आई पहली फिल्म 'आवारापन' के लिए मिली रकम से करीब 10 गुना ज्यादा है।

दिशा पटानी की फीस कितनी

फिल्म में दिशा पाटनी भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। रिपोर्ट के मुताबिक, उन्हें 'आवारापन 2' के लिए करीब 5 करोड़ रुपये फीस मिल रही है। दिग्गज अभिनेत्री शबाना आजमी भी 'आवारापन 2' का हिस्सा हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि फिल्म में अहम भूमिका निभाने के लिए उन्हें करीब 2 करोड़ से 5 करोड़ रुपये के बीच फीस दी गई है। फिलहाल ये सभी फीस के आंकड़े रिपोर्ट्स पर आधारित हैं और मेकर्स या कलाकारों की तरफ से इनकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

सिनसिनाटी ओपन में बड़ा उलटफेर, दुनिया की नंबर एक सबालेंका को सारा बेजलेक ने हराया

एजेंसी

सिनसिनाटी : दुनिया की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी आर्यना सबालेंका बुधवार को सिनसिनाटी मास्टर्स के चौथे दौर में चेक गणराज्य की सारा बेजलेक के हाथों उलटफेर का शिकार होकर टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। बेजलेक ने सबालेंका को 7-6 (9-7), 6-4 से हराकर पहली बार किसी शीर्ष-10 खिलाड़ी के खिलाफ जीत दर्ज की।

सबालेंका ने पहले सेट में शानदार शुरूआत करते हुए 5-1 की बढ़त बना ली थी, लेकिन 35वीं रैंकिंग की बेजलेक ने अपनी बेहतरीन मूवमेंट और लगातार दबाव के दम पर मुकाबले में वापसी की। उन्होंने

टाईब्रेक में 9-7 से पहला सेट अपने नाम किया। दूसरे सेट में बेजलेक ने सबालेंका की सर्विस तीन बार तोड़ी। इसके बाद उन्होंने शानदार अंदाज में मैच खत्म किया। आखिरी गेम में उन्होंने एक भी अंक गंवाए बिना जीत दर्ज की और मैच का अंत ऐस के साथ किया। जीत के बाद बेजलेक ने कहा, ह्यमेरे पास शब्द नहीं हैं। यह अविश्वसनीय महसूस हो रहा है। इस साल अबू धाबी में हार्ड कोर्ट खिताब जीत चुकी बेजलेक अब अगले दौर में अमेरिका की मैडिसन कीज का सामना करेंगी। वहीं, सबालेंका के लिए अमेरिकी ओपन से पहले यह लगातार दूसरा निराशाजनक प्रदर्शन है। पिछले सप्ताह वह टोरंटो मास्टर्स के चौथे दौर में बाहर हो गई थीं। इससे पहले विंबलडन में भी उन्हें चौथे दौर में हार का सामना करना पड़ा था, जबकि फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में उनका सफर समाप्त हुआ था। अमेरिकी ओपन 30 अगस्त से शुरू होगा।

मोंटी देसाई ने छोड़ा कनाडा पुरुष क्रिकेट टीम के मुख्य कोच का पद

एजेंसी

टोरंटो : कनाडा पुरुष क्रिकेट टीम को अब नए मुख्य कोच की तलाश है। टीम के मुख्य कोच मोंटी देसाई ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। देसाई मई में दूसरी बार कनाडा की टीम से जुड़े थे और उनके कार्यकाल में टीम ने आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप लीग-2 की दो त्रिकोणीय श्रृंखलाओं में हिस्सा लिया, जिसमें एक श्रृंखला कनाडा में और दूसरी स्कॉटलैंड में खेली गई। देसाई के जाने के समय कनाडा के विश्व कप लीग-2 अभियान में चार मुकाबले बाकी हैं। टीम शीर्ष चार में जगह बनाने से छह अंक पीछे है और उसके सामने आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप क्वालीफायर

प्ले-ऑफ में खेलने का खतरा मंडरा रहा है। यह पुनः क्वालीफिकेशन प्रतियोगिता आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2027 के क्वालीफायर के लिए चार स्थान तय करेगी। देसाई का कनाडा के साथ यह दूसरा कार्यकाल था। इससे पहले वह 2019 में नामीबिया में विश्व क्रिकेट लीग-2 अभियान के दौरान टीम के कोच रह चुके हैं।

पद छोड़ने के बाद देसाई ने सोशल मीडिया पर कहा, ह्यह छोटा अध्याय था, लेकिन मेरे लिए बेहद महत्वपूर्ण रहा। हर माहौल आपको कुछ नया सिखाता है। इस अनुभव ने मेरे इस विश्वास को और मजबूत किया कि निरंतर सफलता समय, विश्वास, तैयारी, मजबूत रिश्तों और सामूहिक जिम्मेदारी से बनती है। उन्होंने खिलाड़ियों, सहयोगी स्टाफ और इस सफर में साथ रहे सभी लोगों का आभार जताते हुए कहा, ह्यमैं बनाए गए रिश्तों, मिली सीख और योगदान देने के अवसर के लिए आभारी हूं।डमोंटी देसाई को कोचिंग का 20 वर्ष से अधिक का अनुभव है। उन्होंने संयुक्त अरब अमीरात, अफगानिस्तान और नेपाल जैसी टीमों के साथ भी काम किया है।

पाकिस्तान सरकार ने इमरान खान को कैद में ही रखने के दांव-पेच शुरू किए, नजर उच्चतम न्यायालय पर

एजेंसी

इस्लामाबाद : पाकिस्तान सरकार अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान को राजधानी इस्लामाबाद के शिफा अंतरराष्ट्रीय अस्पताल भेजने के उच्चतम न्यायालय के फैसले से बौखला गई है। उसने फैसले पर कड़ी आपत्ति जताते हुए बुधवार को उच्चतम न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दायर कर आदेश वापस लेने की मांग की है। इमरान खान अभी रावलपिंडी की आदियाला जेल में बंद हैं। अब देखना यह है कि शीर्ष अदालत का इस याचिका पर क्या रुख होता है। द न्यूज अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, संघीय सरकार के मुख्य आयुक्त की ओर से इस्लामाबाद के एडवोकेट जनरल नवीद हयात मलिक ने दायर सरकार की पुनर्विचार याचिका में अंतरिम आदेश को भेदभावपूर्ण बताया गया है। पुनर्विचार याचिका में संघीय सरकार ने कहा कि उच्चतम न्यायालय का 18 अगस्त का अंतरिम आदेश उसके अधिकार क्षेत्र से बाहर था और उस पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए। इस याचिका में कहा गया, ₹ऐसा लगता है कि माननीय कोर्ट का ध्यान ऊपर बताए गए कानूनी प्रावधान पर नहीं गया, जिससे एक ऐसी गलती हुई जो रिकॉर्ड पर साफ दिख रही है। अगर कोर्ट ने कानून के उक्त प्रावधान पर ध्यान दिया होता, तो समीक्षा के अधीन आदेश पारित नहीं किया जा सकता था। इसलिए, इस पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए।₹

संघीय सरकार की पुनर्विचार याचिका के अनुसार, 5 अगस्त, 2023 को एक एडिशनल सेशन जज ने इमरान खान को तीन साल की जेल की सजा सुनाई थी। बाद में उन्होंने इस्लामाबाद उच्च न्यायालय में सजा के खिलाफ अपील दायर की। याचिका में कहा गया है कि पूर्व प्रधानमंत्री ने इलाज के लिए शिफा इंटरनेशनल हॉस्पिटल में शिफ्ट किए जाने का अनुरोध किया था, लेकिन उच्च न्यायालय ने 12 मार्च को यह अनुरोध खारिज कर दिया। इसके बाद उच्चतम न्यायालय में अपील दायर की गई। पुनर्विचार याचिका में संघीय सरकार ने तर्क दिया कि कुछ मामलों में कैदी को अस्पताल भेजने के लिए सरकार की मंजूरी और जेल

महानिरीक्षक के जरिए कार्रवाई की जरूरत होती है। अस्पताल भेजे गए कैदियों को पुलिस की निगरानी में रहना चाहिए। याचिका में पाकिस्तान जेल नियम, 1978 (197) का जिक्र किया है। यह कैदी को जेल से अस्पताल भेजने की प्रक्रिया तय करता है। सरकार ने तर्क दिया कि अनुच्छेद 10ए निष्पक्ष सुनवाई और कानून की उचित प्रक्रिया का अधिकार देता है। याचिका के अनुसार, यह मामला पहली बार उच्चतम न्यायालय के सामने आया और संबंधित पक्षों को नोटिस जारी नहीं किए गए। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार (18 अगस्त) को पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) प्रमुख इमरान खान को 2 दिन में शिफा अस्पताल में भर्ती कराने और 16 सितंबर तक इलाज कराने का निर्देश दिया था। साथ ही, खान की जांच और उपचार के लिए एक चिकित्सा बोर्ड गठित करने को कहा था उच्चतम न्यायालय ने इमरान के निजी चिकित्सक और बहन को उनकी चिकित्सा देखभाल से जुड़े रहने की अनुमति भी दी है। यह आदेश इमरान खान (73) के स्वास्थ्य को लेकर उनके परिवार और समर्थकों की कई महीनों से जताई जा रही चिंता तथा उन्हें पर्याप्त चिकित्सा सुविधा नहीं दिए जाने के आरोपों के बीच आया। शीर्ष अदालत ने आदेश दिया कि खान को इस्लामाबाद के शिफा इंटरनेशनल अस्पताल में 16 सितंबर को होने वाली अगली सुनवाई तक वहीं रखा जाए। संसदीय कार्यमंत्री तारिक फजल चौधरी ने कहा कि सरकार उच्चतम न्यायालय के आदेश को अक्षरशः लागू करेगी। उच्चतम न्यायालय ने अस्पताल में रहने के दौरान खान को सप्ताह में एक बार अपने परिवार से मुलाकात की भी अनुमति दी। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के संस्थापक इमरान खान अगस्त 2023 से रावलपिंडी की आदियाला जेल में हैं। समर्थक उनकी गिरफ्तारी के विरोध में लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। परिजनों और पार्टी के सहयोगियों ने बार-बार मानवाधिकारों के उल्लंघन का आरोप लगाया है। उन्होंने अधिकारियों पर खान को पर्याप्त चिकित्सा सुविधा, परिवार से मुलाकात और कानूनी सलाहकारों तक पहुंच से वंचित करने का भी आरोप लगाया है। मंगलवार को जारी आदेश में कहा गया कि शिफा में जांच और इलाज के दौरान डॉ. उजमा और पूर्व प्रधानमंत्री के निजी डॉक्टर मौजूद रहें और इसका खर्च उनका परिवार उठाए। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वह पूर्व प्रधानमंत्री को कड़ी सुरक्षा के बीच शिफा अस्पताल ले जाएं और कुछ दिनों के भीतर जरूरी इंतजाम पूरे करें। हालांकि उच्चतम न्यायालय ने चेतावनी दी कि उसके निर्देशों का कोई भी उल्लंघन पीटीआई संस्थापक को दी जा रही सुविधाओं को वापस लेने का कारण बन सकता है। इस फैसले का पीटीआई ने स्वागत किया और पार्टी कार्यकर्ताओं से शिफा अस्पताल के बाहर इकट्ठा न होने की अपील की।

मप्र: एग्रीस्टेक, पैक्स सदस्यता एवं अग्रिम उर्वरक उठाव अभियान आज से शुरू

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश शासन, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा रबी वर्ष 2026-27 के दौरान किसानों को सुव्यवस्थित रूप से खाद उपलब्ध कराने और कृषि योजनाओं का लाभ देने के उद्देश्य से प्रदेशभर में आज गुरुवार से ह्लएग्रीस्टेक पंजीयन, पैक्स सदस्यता एवं अग्रिम उर्वरक उठाव अभियानह्व शुरू होने जा रहा है। कृषि विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, यह राज्य के सभी जिलों में अभियान 15 सितंबर तक संचालित होगा। शासन के निदेर्शानुसार, इस अभियान का मुख्य उद्देश्य रबी सीजन में उर्वरकों के संतुलित एवं विवेकपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देना, किसानों को ई-विकास प्रणाली के माध्यम से टोकन जनरेट करने की सुविधा प्रदान करना, पैक्स की सदस्यता बढ़ाना तथा किसान क्रेडिट कार्ड सेचुरेशन के लक्ष्य को पूरा करना है। इस अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिला स्तर पर 20 अगस्त से पूर्व उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित कर जनप्रतिनिधियों और मैदानी अमले को रणनीति से अवगत कराया जाएगा। इसके बाद पैक्स स्तर पर सहकारी समितियों के माध्यम से नए सदस्यों को जोड़ना, केसीसी बनवाना, अग्रिम उर्वरक उठाव कराना और शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराने की गतिविधियों के साथ ई-टोकन प्रणाली का जीवंत प्रदर्शन किया जाएगा। वहीं, ग्राम पंचायत स्तर पर पटवारी द्वारा किसानों की सूचियों का वाचन कर छूटे हुए किसानों की फार्मर आईडी मिशन मोड में बनाई जाएगी तथा गलत प्रविष्टियों को सुधारा जाएगा। फसल उपार्जन (गेहूं, चना, सरसों, धान, मूंग आदि) उर्वरक व बीज प्राप्ति, कृषि यंत्रों के अनुदान, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और ई-मंडी में फसल बेचने के लिए 'फार्मर आईडी' अनिवार्य की गई है। इस अभियान में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, सहकारिता विभाग, राजस्व विभाग तथा किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

राजस्थान में आज 11 जिलों में बारिश का अलर्ट, उत्तर-पूर्वी हिस्सों में बढ़ेगी मानसूनी गतिविधियां

एजेंसी

जयपुर : राजस्थान में मानसून एक बार फिर अलग-अलग हिस्सों में अपना असर दिखा रहा है। गुरुवार को प्रदेश के 11 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो दिन भी प्रदेश के कुछ हिस्सों में बारिश का दौर जारी रह सकता है। इस दौरान कहीं हल्की तो कहीं मध्यम बारिश होने की संभावना है। खास तौर पर उत्तर-पूर्वी राजस्थान में मानसूनी गतिविधियों में बढ़ोतरी के आसार हैं। मौसम विभाग की रिपोर्ट के अनुसार पिछले 24 घंटे के दौरान बांसवाड़ा में करीब एक सेंटीमीटर बारिश मापी गई। इसके अलावा खैरथल-तिजारा, बारां, कोटा, प्रतापगढ़ और सलूंबर जिलों में भी हल्की बारिश हुई। बारिश के कारण कई इलाकों में मौसम सुहावना रहा, हालांकि प्रदेश के कुछ हिस्सों में गर्मी और उमस का असर भी बना हुआ है। राजस्थान के तापमान में बुधवार को काफी अंतर देखने को मिला। श्रीगंगानगर 39.4 डिग्री सेल्सियस के साथ प्रदेश में सबसे गर्म रहा। जैसलमेर में अधिकतम तापमान 36.9 डिग्री, पिलानी में 36.5, चूरू में 36.4, संगरिया में 36.3 और बीकानेर में 35.9 डिग्री सेल्सियस मापा गया। दूसरी ओर माउंट आबू 23.7 डिग्री सेल्सियस के साथ प्रदेश का सबसे ठंडा स्थान रहा। मौसम विभाग के अनुसार पूर्वी भारत के ऊपर बना कम दबाव का क्षेत्र कमजोर होकर अब चिह्नित निम्न दबाव क्षेत्र में बदल गया है। इससे जुड़ा मौसम तंत्र उत्तर-पूर्वी राजस्थान के आसपास बना हुआ है। इसी सिस्टम के प्रभाव से प्रदेश के उत्तर-पूर्वी हिस्सों में बारिश की गतिविधियां बढ़ने की संभावना है।

20 अगस्त को भरतपुर, जयपुर और आसपास के इलाकों में मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। कुछ स्थानों पर हल्की बारिश, जबकि कहीं-कहीं मध्यम बारिश होने के आसार हैं। इसके बाद भी अगले दो दिनों तक प्रदेश के कुछ हिस्सों में बारिश की गतिविधियां जारी रह सकती हैं।

उधर पश्चिमी राजस्थान में मानसून की गतिविधियां फिलहाल कमजोर रहने की संभावना है। जोधपुर और बीकानेर संभाग के अधिकांश हिस्सों में अगले एक सप्ताह तक मौसम मुख्य रूप से शुष्क रहने का अनुमान है। हालांकि बीकानेर संभाग के कुछ हिस्सों के साथ श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ और चूरू तथा आसपास के क्षेत्रों में 21 से 23 अगस्त के बीच हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

बारासात मेडिकल कॉलेज के महिला छात्रावास में आग लगने से हड़कंप

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में लगातार सामने आ रही आग की घटनाओं के बीच गुरुवार सुबह बारासात मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के महिला छात्रावास में आग लगने से हड़कंप मच गया। छात्रावास के एक कमरे से अचानक धुआं निकलता देख वहां रहने वाली छात्राएं घबरा गईं। तत्काल दमकल विभाग को सूचना दी गई। दमकल की एक गाड़ी मौके पर पहुंची और कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया गया। राहत की बात यह रही कि घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, सुबह करीब आठ बजे एनटीएस भवन में छात्राओं के एक कमरे से धुआं निकलता दिखाई दिया। सूचना मिलते ही अस्पताल की बिजली विभाग की टीम और दमकल विभाग को जानकारी दी गई। अस्पताल प्रशासन की तत्परता और दमकलकर्मियों की तेजी से आग को 10 से 15 मिनट के भीतर नियंत्रित कर लिया गया। दमकल विभाग के अनुसार, आग में कमरे के कुछ फर्नीचर, कपड़े और जरूरी दस्तावेज जल गए। हालांकि आग के तेजी से फैलने से पहले ही उसे नियंत्रित कर लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह बिजली के तारों में शॉर्ट सर्किट होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि दमकल और अस्पताल प्रशासन की ओर से आग के वास्तविक कारण का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है।

बांग्लादेश में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव आज, 35 वर्ष में पहली बार होगा मतदान

एजेंसी

ढाका (बांग्लादेश) : देश के संसद सदस्य आज 23वां राष्ट्रपति चुनेंगे। 35 वर्ष में पहली बार राष्ट्रपति पद के लिए मुकाबला हो रहा है। संसद भवन में दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक कुल 349 सांसद मतदान कर सकेंगे। सत्ताधारी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के उम्मीदवार मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर का मुकाबला कर्नल (रिटायर्ड) ओली अहमद से है। कर्नल ओली अहमद बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी के नेतृत्व वाले 11 दलों के गठबंधन के उम्मीदवार हैं। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, 8 अक्टूबर 1991 के बाद राष्ट्रपति पद का पहला ऐसा चुनाव है जिसमें एक से अधिक उम्मीदवार हैं। 1991 के इस चुनाव में बीएनपी उम्मीदवार अब्दुर रहमान बिस्वास ने अवामी लीग के जस्टिस बदरुल हैदर चौधरी को हराया था। तब से, संसदीय प्रणाली के तहत राष्ट्रपति चुनाव निर्विरोध होते रहे हैं। संसद में 350 सीटें हैं। इनमें 300 सामान्य सीट और महिलाओं के लिए 50 आरक्षित सीट शामिल हैं। चटगांव-4 सीट खाली है। इसलिए 349 सांसद मतदान कर सकेंगे। संसद में बीएनपी के पास स्पष्ट बहुमत है। इसलिए मिर्जा फखरुल की जीत की संभावना सबसे ज्यादा है। संविधान का अनुच्छेद 70 भी महत्वपूर्ण है। इस प्रावधान के तहत पार्टी उम्मीदवार के तौर पर चुने गए सांसद की सदस्यता खत्म हो जाती है अगर वह संसद में उस पार्टी के खिलाफ वोट देता है जिसने उसे नामांकित किया था। मतदान की व्यवस्था संसद के मुख्य कक्ष में की गई है। सांसद कक्ष के अंदर बैलेट बॉक्स में अपना वोट डालने से पहले अपनी पसंद बताएंगे। मतदान शाम 5 बजे खत्म होगा। इसके तुरंत बाद मतगणना शुरू हो जाएगी। मुख्य चुनाव आयुक्त गिनती के बाद नतीजे की घोषणा करेंगे। मतदान और नतीजे की घोषणा का सीधा प्रसारण (लाइव टेलीकास्ट) किया जाएगा। चुनाव की पूर्व संध्या पर बीएनपी संसदीय दल ने बुधवार दोपहर संसद भवन में बैठक की। बैठक शाम 4 बजे संसद भवन की नौवीं मंजिल पर हुई। इसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री और सदन के नेता तारिक रहमान ने की। उम्मीदवार मिर्जा फखरुल भी इस बैठक में शामिल हुए। इसके बाद चीफ व्हिप नूरुल इस्लाम मोनी ने कहा कि यह चुनाव देश की लोकतांत्रिक यात्रा में एक अहम मोड़ साबित होगा। आजादी के बाद से बांग्लादेश में राष्ट्रपति चुनने की व्यवस्था कई बार बदली है। संसदीय व्यवस्था के तहत देश का पहला राष्ट्रपति चुनाव 1974 में हुआ था। इस चुनाव में संसद के स्पीकर मोहम्मदउल्लाह को राष्ट्रपति चुना गया था। 1978, 1981 और 1986 में सीधे जनता के वोट से राष्ट्रपति चुने गए। 1978 में जिया-उर-रहमान, 1981 में जस्टिस अब्दुस सत्तार और 1986 में हुसैन मुहम्मद इरशाद जीते।

मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर नारायणगढ़ में सुरक्षा व्यवस्था सख्त

एजेंसी

मेदिनीपुर : पश्चिम मेदिनीपुर जिले के नारायणगढ़ में मुख्यमंत्री के संभावित दौरे को लेकर पुलिस और प्रशासन की सक्रियता बढ़ गई है। बाखराबाद से सटे रनवे के किनारे तैयार किए गए हेलीपैड क्षेत्र को कड़ी सुरक्षा के घेरे में रखा गया है। मुख्यमंत्री की सुरक्षा में तैनात रहने वाले कर्मी पहले ही हेलीपैड क्षेत्र में पहुंच चुके हैं।

मुख्यमंत्री के आगमन को ध्यान में रखते हुए लगभग नौ स्कॉर्पियो वाहनों का एक काफिला भी तैयार रखा गया है। हेलीपैड क्षेत्र के आसपास पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया है। संभावित दौरे को लेकर प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां तेज दिखाई दे रही हैं। जानकारी के अनुसार, सबंग में प्रशासनिक बैठक के बाद मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नारायणगढ़ के काठाबाड़ी क्षेत्र में जाने की संभावना है। इसी को ध्यान में रखते हुए पुलिस और प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था और अधिक कड़ी कर दी गई है। हेलीपैड तथा आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा कर्मियों की तैनाती बढ़ाई गई है। मुख्यमंत्री के संभावित कार्यक्रम को लेकर स्थानीय स्तर पर भी प्रशासनिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े कर्मियों के पहुंचने और वाहनों के काफिले को तैयार रखने के बाद मुख्यमंत्री के संभावित दौरे को लेकर अटकलें और तेज हो गई हैं। हालांकि, मुख्यमंत्री के दौरे के समय और गंतव्य को लेकर प्रशासन की ओर से अभी तक अंतिम रूप से कोई जानकारी नहीं दी गई है। इसलिए उनका बाखराबाद स्थित हेलीपैड से नारायणगढ़ के काठाबाड़ी क्षेत्र में जाना अभी संभावित ही माना जा रहा है।

भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर का श्रीनगर ने मन मोहा

नई दिल्ली : जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के दो दिवसीय दौरे पर बुधवार को श्रीनगर पहुंचे भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने श्रीनगर की सुंदरता की तारीफ की है। उन्होंने एक्स पर शब्द चित्र साझा किया। उन्होंने लिखा, "परी महल और मशहूर डल झील की सैर के साथ श्रीनगर की खूबसूरती का अनुभव करना बहुत शानदार रहा!" सर्जियो गोर ने बुधवार को श्रीनगर में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अमेरिका जम्मू-कश्मीर के लिए जारी यात्रा परामर्श की समीक्षा करेगा, क्योंकि केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने क्षेत्र को अधिक सुरक्षित बनाने के लिए कदम उठाए हैं।

जम्मू-कश्मीर में वंदे भारत ने दुनिया के सबसे ऊंचे चिनाब पुल पर 100 किमी प्रति घंटा की रफ्तार पकड़ी

एजेंसी

जम्मू : रेल मंत्रालय से कटरा-बनिहाल रेल सेक्शन पर अधिकतम गति बढ़ाने की मंजूरी मिलने के बाद वंदे भारत ट्रेन ने पहली बार चिनाब नदी पर बने दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे पुल पर लगभग 100 किमी प्रति घंटा की गति से यात्रा की। आधिकारिक जानकारी के अनुसार इस मंजूरी से नॉर्दर्न रेलवे के जम्मू डिवीजन के तहत श्री माता वैष्णो देवी कटरा और बनिहाल के बीच 111 किलोमीटर लंबे नए ब्रॉड गेज रेल सेक्शन पर ट्रेनों को 100 किलोमीटर (किमी) प्रति घंटा तक की गति से चलाने की अनुमति मिल गई है। इससे पहले कटरा-संगालदान सेक्शन पर अनुमत गति 85 किमी प्रति घंटा और संगालदान-बनिहाल सेक्शन पर 75 किमी प्रति घंटा थी। नॉर्दर्न रेलवे ने यह भी कहा है कि गति बढ़ाने की मंजूरी सभी निर्धारित सुरक्षा शर्तों का पालन सुनिश्चित करने के बाद दी गई। जम्मू के सीनियर डिविजनल कमर्शियल मैनेजर उचित सिंघल ने बताया कि गति बढ़ने से यात्रा का समय कम होगा और जम्मू-कश्मीर के बीच कनेक्टिविटी और मजबूत होगी।

उन्होंने कह कि इस कदम से यात्रियों को तेज, सुरक्षित और अधिक आरामदायक यात्रा का अनुभव मिलेगा साथ ही इस क्षेत्र में पर्यटन, व्यापार और आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। उल्लेखनीय है कि गति सीमा में बदलाव के साथ श्री माता वैष्णो देवी कटरा और बनिहाल के बीच यात्रा के समय में और कमी आने की उम्मीद है। कश्मीर जाने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस ने दुनिया के सबसे ऊंचे चिनाब ब्रिज पर पहली बार 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ी है। यह भारत के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। यह जम्मू-कश्मीर के लिए रेलवे कनेक्टिविटी की दिशा में भी ऐतिहासिक उपलब्धि है। इससे पहले, इस सेक्शन पर श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा से संगलदान सेक्शन के लिए 85 किलोमीटर प्रति घंटा और संगलदान से बनिहाल सेक्शन के लिए 75 किलोमीटर प्रति घंटा रफ्तार थी।

कश्मीर तक वंदे भारत एक्सप्रेस चलाने का सपना फरवरी, 2025 में पूरा हुआ। जम्मू तवी और श्रीनगर के बीच चलने वाली वंदे भारत ट्रेन करीब 269 किलोमीटर की दूरी 4 घंटे 50 मिनट में तय करती है। यह आधुनिक ट्रेन चिनाब ब्रिज और अंजी खड्ड ब्रिज जैसे ऊंचे पुलों से होकर गुजरती है।

यह प्रतिष्ठित पुल चिनाब नदी के तल से 359 मीटर (1,178 फीट) की ऊंचाई पर बना है। यह पेरिस के प्रसिद्ध एफिल टॉवर से भी लगभग 35 मीटर ऊंचा है। यह उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक परियोजना का एक मुख्य हिस्सा है। इस मार्ग पर ट्रेनों की रफ्तार बढ़ने से जम्मू और श्रीनगर के बीच का यात्रा समय काफी कम हो जाएगा।

सराफा बाजार में फिसला सोना, चांदी की भी घटी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली : घरेलू सराफा बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान गिरावट का रुख बना हुआ है। देश के ज्यादातर सराफा बाजार में सोना आज 870 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 940 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। इसी तरह चांदी के भाव में आज 5,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। कीमत में हुए इस बदलाव के कारण देश के ज्यादातर सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,54,960 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,55,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,42,040 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,42,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सराफा बाजार में आज 2,44,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,55,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,190 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,54,960 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,55,010 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,090 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,54,960 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,42,040 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,54,960 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,55,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,42,090 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,55,110 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,55,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,42,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,55,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,42,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सराफा बाजार में भी आज सोना शुरूआती कारोबार के दौरान कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,54,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सराफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,42,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

सिमडेगा पुलिस की कार्रवाई: गौवंशीय मांस की बिक्री के मामले में फरार अभियुक्त गिरफ्तार

संवाददाता

सिमडेगा : गौवंशीय पशु के अवैध वध एवं मांस की बिक्री के मामले में सिमडेगा पुलिस ने फरार चल रहे एक और प्राथमिकी अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान जोहन सुरीन (59 वर्ष), पिता स्व. मानुएल सुरीन, निवासी सिहारजोर सुरीन टोली, बांसजोर ओपी, जिला सिमडेगा के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे 19 अगस्त 2026 को गिरफ्तार किया, जिसे 20 अगस्त को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

पुलिस के अनुसार, 8 अगस्त 2026 को गुप्त सूचना मिली थी कि सिहारजोर, सुरीन टोली के पास दाउद कन्डुलना एवं अन्य लोगों द्वारा गौवंशीय पशु का वध कर मांस की बिक्री की जा रही है। सूचना के सत्यापन और कार्रवाई के लिए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल

पुलिस पदाधिकारी, सिमडेगा के नेतृत्व में छापामारी टीम गठित की गई। गठित टीम ने 8 अगस्त को सुबह करीब 7:50 बजे सुरीन टोली स्थित दाउद कन्डुलना के घर से लगभग 200 मीटर दूर जामडीह नदी के पास छापामारी की। पुलिस टीम को देखते ही कुछ लोग नदी और जंगल का फायदा उठाकर भागने लगे। पुलिस बल की मदद से मौके से दो लोगों को पकड़ा गया। घटनास्थल से करीब 17 किलोग्राम संदिग्ध गौवंशीय पशु मांस तथा मांस काटने में प्रयुक्त सामग्री बरामद कर जब्त की गई।इस मामले में जलडेगा (बांसजोर ओपी) थाना कांड संख्या 49/2026, दिनांक 08.08.2026 के तहत झारखण्ड गौवंशीय हत्या प्रतिषेध अधिनियम, 2005 की धारा 12(1)/12(2) एवं भारतीय न्याय संहिता की धारा 3(5) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। मामले में पूर्व में दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है।

फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापामारी की जा रही थी। इसी क्रम में प्राथमिकी अभियुक्त जोहन सुरीन को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जिले में गौवंशीय पशुओं की तस्करी और अवैध वध के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी है। ऐसी अवैध गतिविधियों में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस ने आम लोगों से भी अपील की है कि किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि की जानकारी मिलने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें। सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

न्यूज IN ब्रीफ

सशक्त युवा, सशक्त भारत पर छात्रों ने रखे तर्क, प्रीति सिंह की टीम रही अव्वल

हैदरनगर : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण(डालसा) के निदेर्शानुसार बुधवार को +2 उच्च विद्यालय, हैदरनगर में ह्यसशक्त युवा, सशक्त भारतह्न विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कक्षा नौवीं एवं दसवीं के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विषय के पक्ष-विपक्ष में अपने विचार और तर्क प्रस्तुत किए।

प्रतियोगिता में टीम ए का नेतृत्व प्रीति सिंह तथा टीम बी का नेतृत्व अनमोल कुमार मेहता ने किया। दोनों टीमों के प्रतिभागियों ने युवाओं की भूमिका, शिक्षा, अधिकार, कर्तव्य और राष्ट्र निर्माण में उनकी भागीदारी को लेकर प्रभावशाली विचार रखे। प्रतियोगिता में टीम ए की लीडर प्रीति सिंह के अकाट्य एवं प्रभावशाली तर्कों ने निर्णायक बढ़त दिलाई और टीम ए को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम के आयोजन में विद्यालय के प्रधानाध्यापक एवं शिक्षकगण का सराहनीय सहयोग रहा। कार्यक्रम को सफल बनाने में पीएलवी रवीन्द्र ठाकुर (भूतपूर्व सैनिक) तथा शिक्षक सुमन चौधरी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वक्ताओं ने कहा कि युवाओं में अधिकारों के साथ-साथ अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूकता पैदा करना मजबूत लोकतंत्र और सशक्त राष्ट्र के निर्माण के लिए आवश्यक है।प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी बात तार्किक एवं प्रभावी ढंग से रखने का अवसर मिला। कार्यक्रम ने छात्रों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया।

सावन महोत्सव में महिलाओं ने बिखेरी खुशियां

चक्रधरपुर : चक्रधरपुर की महिलाओं ने सावन महोत्सव कार्यक्रम आयोजित कर एक दूसरे के साथ मेल मिलाप को बढ़ाया सावन महोत्सव में चक्रधरपुर क्षेत्र की महिलाओं के साथ-साथ चाईबासा से भी महिलाएं मौजूद रहे। सावन महोत्सव में विशेष कर हरे रंग के कपड़ों से सुसज्जित होकर सभी महिलाएं एक दूसरे के साथ जीवन को हरा भरा एवं खुशहाल रखने की प्रण ली। सावन महोत्सव के पावन मौके पर मुख्य रूप से नीतू साहू,प्रतिभा विकाश, विशाखा भगेरिया,मोनिका गुप्ता,अंजली मिश्रा, डिप्पी कौर,नीतू साहू मौजूद रही।

रांची से कोलकाता के लिए रवाना हुई टीम ए

संवाददाता : कोलकाता के सियालदह में आयोजित होने वाली नेशनल आर्ट एग्जिबिशन रांची से टीम ए जिसमें जमशेदपुर तमाड़ चाईबासा चक्रधरपुर खूंटी एवं रांची को मिलाकर बनाई गई टीम ए आज कोलकाता में आयोजित होने वाली एग्जीबिशन में हिस्सा लेने के लिए रवाना हुई। वहीं दूसरी टीम का चयन अपने प्रदर्शन में कमी के कारण नहीं हो पाया परंतु उन्हें अगले मां होने वाली एग्जीबिशन में जाने का अवसर दिया जाएगा, फाइन आर्ट्स क्लब के अध्यक्ष तुलसी कालिंदी ने यह जानकारी अपने सोशल मीडिया के माध्यम से दोनों टीम को दी।

बोड़ाम में दुकानदारों से रंगदारी मांगने में 3 संदिग्ध युवकों की धुनाई

जमशेदपुर : बोड़ाम प्रखंड के भूला मोड़ और बारियादा गांव में बुधवार को चार-पांच दुकानों में घुसकर दुकानदारों को परेशान करने और रंगदारी मांगने के आरोप में तीन युवकों को स्थानीय लोगों ने पकड़ लिया और जमकर पिटाई कर दी। बाद में उन्हें बोड़ाम थाना पुलिस के हवाले कर दिया। बताया जाता है कि तीनों व्यक्ति अलग-अलग दुकानों में पहुंचकर दुकानदारों को एक ही तरह से अपनी बातों में उलझाकर परेशान कर रहे थे। इसके बाद वे दुकानदारों से पैसे मांगने लगे। लगातार कई दुकानों में इसी तरह की गतिविधियां सामने आने पर दुकानदारों को संदेह हुआ। उन्होंने आपस में जानकारी साझा की और लोगों की मदद से तीनों को पकड़ लिया।

तीनों को पकड़ने के बाद लोगों ने उनकी जमकर धुनाई की। बाद में उन्हें बोड़ाम थाना प्रभारी नीरज कुमार के हवाले कर दिया गया। पुलिस तीनों से पूछताछ कर उनकी पहचान और क्षेत्र में आने के उद्देश्य का पता लगाने में जुटी है। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले बारियादा में मोबाइल दुकान और बोड़ाम में ज्वेलरी दुकान में चोरी की घटनाएं सामने आई थीं। इसके बाद से क्षेत्र के दुकानदारों और ग्रामीणों में पहले से ही आक्रोश और सुरक्षा को लेकर चिंता बनी हुई है। बुधवार की घटना के बाद लोगों में संदिग्ध गतिविधियों को लेकर सतर्कता और बढ़ गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। स्थानीय लोगों ने क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों पर नजर रखने, नियमित गश्त बढ़ाने और दुकानदारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

मदरसा दारुस सलाम में छह मासिक परीक्षा का हुआ आगाज

जमशेदपुर : मुस्लिम बहुल क्षेत्र आजादनगर की प्राचीन धार्मिक शिक्षण संस्थान मदरसा दारुस सलाम मे छह मासिक परीक्षा आज से शुरू हो गई है । मदरसा के प्रधानाध्यापक मौलाना सगीर आलम फैजी ने बताया कि दरसियात के अलावा हिंदी , अंग्रेजी , गणित विज्ञान , भुगोल, इमलानवेसी , सुलेखक , दीनियात आदि विषयों की परीक्षा हो रही है । वर्ग हिफज (कंठस्थ कुरान) , किरात , अदाइया , बालक वर्ग के छात्रों की परीक्षा ली जा रही है । उन्होंने बताया कि संस्थान के सचिव मतलूब अनवर खान के संरक्षण मे हो रही इस परीक्षा की निगरानी कारी अब्दुल वाहिद , मौलाना बशीर आलम फैजी , मौलाना हामिद रजा , मौलाना आसिफ रजा कर रहे हैं।

बागबेड़ा में आभूषण दुकान में चोरी, पांच लाख के गहने ले उड़े चोर

जमशेदपुर : बागबेड़ा थाना अंतर्गत लाल बिल्डिंग के पास स्थित गोल्डन ज्वेलर्स में चोरी की घटना सामने आई है। घटना बुधवार देर रात की है। इस संबंध में दुकान मालिक ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। जानकारी के अनुसार दुकान मालिक गुरुवार को जब दुकान खोलने पहुंचे तो उन्होंने पाया कि दुकान का ताला टूटा हुआ है।

थाना दिवस में पांच भूमि विवादों का मौके पर हुआ समाधान

मेट्रोरेज संवाददाता

हैदरनगर : स्थानीय थाना परिसर में बुधवार को आयोजित थाना दिवस में भूमि विवाद से जुड़े पांच मामलों का मौके पर ही निष्पादन किया गया। अंचल पदाधिकारी संतोष कुमार, थाना प्रभारी तंजीलूल मनान, अवर निरीक्षक आशीष कुमार तथा सहायक अवर निरीक्षक वशिष्ठ ठाकुर की मौजूदगी में संबंधित पक्षों की बात सुनी गई और निष्पक्ष प्रक्रिया के तहत विवादों का समाधान कराया गया।

थाना दिवस में सलेमपुर और चचेरिया गांव से पहुंचे फरियादियों ने भूमि विवाद से संबंधित अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं। अधिकारियों ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद उपलब्ध दस्तावेजों और तथ्यों के आधार

पर मामलों का निपटारा किया। मौके पर समाधान होने से फरियादियों ने राहत की सांस ली और प्रशासन की पहल के प्रति भरोसा जताया।

थाना दिवस में स्थानीय लोगों की भी अच्छी भागीदारी रही। अधिकारियों ने कहा कि थाना दिवस का मुख्य उद्देश्य आम लोगों को त्वरित राहत उपलब्ध कराना और छोटे-छोटे विवादों को स्थानीय स्तर पर सुलझाना है, ताकि विवाद अनावश्यक रूप से मुकदमेबाजी तक न पहुंचे। उन्होंने लोगों से भूमि विवाद समेत अन्य समस्याओं के समाधान के लिए इस मंच का लाभ उठाने की अपील की।

विधायक सुखराम उरांव की अनुशंसा पर बड़ी पहल

कराईकेला-बाउरीसाई सड़क मरम्मत के लिए 58.14 लाख रुपये का टेंडर जारी

चाईबासा : कराईकेला बाजार से बाउरीसाई तक जर्जर सड़क के मरम्मतीकरण को लेकर विधायक सुखराम उरांव की अनुशंसा पर बड़ी पहल की गई है। लगभग 0।550 किलोमीटर लंबी इस सड़क के विशेष मरम्मत कार्य के लिए पथ प्रमंडल चक्रधरपुर की ओर से 58।14 लाख रुपये की अनुमानित राशि का टेंडर जारी कर दिया गया है।

लंबे समय से जर्जर सड़क की समस्या से ग्रामीणों, स्कूली बच्चों एवं वाहन चालकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। बरसात के दिनों में सड़क पर जलजमाव और कीचड़ के कारण आवागमन और भी कठिन हो जाता था। ग्रामीणों द्वारा लगातार सड़क मरम्मत की मांग उठाई जा रही थी। निविदा प्रक्रिया के तहत

निविदा सूचना जारी करने की तिथि 17 अगस्त 2026 तथा निविदा प्रकाशन की तिथि 21 अगस्त 2026 निर्धारित की गई है। इच्छुक संवेदक 29 अगस्त 2026 तक ऑनलाइन निविदा जमा कर सकेंगे। वहीं, 31 अगस्त 2026 को पूर्वाह्न 11 बजे निविदा खोली जाएगी। सड़क के विशेष मरम्मत कार्य को पूरा करने के लिए चार माह की अवधि निर्धारित की गई है। विधायक सुखराम उरांव ने कहा कि क्षेत्र की जनता की समस्याओं का समाधान और सुगम आवागमन उनकी प्राथमिकता है। कराईकेला-बाउरीसाई सड़क के मरम्मतीकरण से आसपास के दर्जनों गांवों के लोगों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी। सड़क की बदहाल स्थिति से लंबे समय से परेशान ग्रामीणों को अब जल्द राहत मिलने की उम्मीद है।

उल्लेखनीय है कि कराईकेला बाजार से बाउरीसाई तक की सड़क लंबे समय से जर्जर थी, जिसके कारण ग्रामीणों ने कई बार इसके मरम्मतीकरण की मांग की थी। सड़क निर्माण और मरम्मत के लिए पहले भी विधायक स्तर से पहल की जा चुकी है।

सिमडेगा में सड़क हादसे के बाद फरार ट्रेलर चालक गिरफ्तार

सिमडेगाः प्रिंस चौक के पास सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत के मामले में सिमडेगा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए फरार ट्रेलर चालक को गिरफ्तार कर लिया। घटना 18 अगस्त की रात करीब 8:15 बजे की है।

मृतक रामरतन राय (49) होटल से खाना खाकर सोनार टोली स्थित अपने आवास लौट रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रेलर ने उन्हें पीछे से टक्कर मार दी। गंभीर हालत में अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद फरार हुए ट्रेलर चालक साधु गोप (58) को पुलिस ने पीछा कर अरानी के पास ट्रेलर सहित गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को 19 अगस्त को न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

आर्ट ऑफ गिविंग रत्न सम्मान समारोह 23 को 20 विशिष्ट व्यक्तित्व होंगे सम्मानित

संवाददाता

रांची : आर्ट ऑफ गिविंग, झारखंड यूनिट द्वारा ह्नआर्ट ऑफ गिविंग रत्न सम्मान समारोह 2026ह्न का आयोजन 23 अगस्त को पलाश सभागार, डोरंडा,रांची में किया जाएगा। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो.डॉ. अच्युता सामंत होंगे। समारोह के विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकान्त सहाय उपस्थित रहेंगे। इस समारोह में झारखंड के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य, उल्लेखनीय योगदान, समर्पण एवं सामाजिक सरोकारों के माध्यम से समाज और राज्य को गौरवान्वित करने वाले 20 नामचीन शख्सियतों को ह्नआर्ट ऑफ गिविंग रत्न सम्मानह्न से सम्मानित किया जाएगा। सम्मानित होने वाले

व्यक्तित्वों में शिक्षा, खेल, खेल प्रशासन, सामाजिक सेवा, चिकित्सा, कला-संस्कृति, पत्रकारिता सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले लोग शामिल हैं। इस अवसर पर अपराह्न एक बजे एक विशेष प्रेस कॉन्फ्रेंस का भी आयोजन किया गया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस को आर्ट ऑफ गिविंग के संस्थापक प्रो.डॉ. अच्युत सामंत संबोधित करेंगे। वे आर्ट ऑफ गिविंग के उद्देश्य, इसकी गतिविधियों तथा झारखंड में संस्था द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों के संबंध में मीडिया को जानकारी देंगे। गौरतलब है कि आर्ट ऑफ गिविंग का मूल उद्देश्य सेवा, समर्पण और सहयोग की भावना को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाना है। इसी उद्देश्य के तहत झारखंड यूनिट द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तित्वों को सम्मानित किया जाएगा। प्राप्त जानकारी के मुताबिक मुख्य कार्यक्रम 23 अगस्त को दिन के 11 बजे से शुरू होगा। अपराह्न एक बजे आयोजकों द्वारा मीडिया को संबोधित किया जाएगा। उक्त जानकारी आर्ट ऑफ गिविंग, झारखंड यूनिट के महासचिव शेखर बोस ने दी।

सिमडेगा में पुलिस पर जानलेवा हमला, तीन आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता

सिमडेगा : अवैध बालू लदे ट्रैक्टर से गश्ती दल के पुलिस पदाधिकारी पर जानलेवा हमला करने के मामले में सिमडेगा पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने एक स्वराज ट्रैक्टर, ट्रॉली और मोबाइल फोन भी जब्त किया है।

पुलिस के अनुसार, 10 अगस्त की रात खुट्टीटोली चौक के पास अवैध बालू लदे दो ट्रैक्टरों को रोकने के दौरान चालकों ने पुलिस टीम पर ट्रैक्टर चढ़ाने की कोशिश की। इस घटना में सहायक अवर निरीक्षक अरुण कुमार सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए रांची रेफर किया गया था। मामले में एसपी के निर्देश पर गठित रक्ळ ने तकनीकी और मानवीय साक्ष्यों के आधार पर बालकेश्वर ग्वाला, रोहित गोप और विजय डुंगडुंग उर्फ बिजु को सिमडेगा और गुमला से गिरफ्तार किया। आरोपियों को 19 अगस्त को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

पूछताछ के आधार पर पुलिस ने घटना में प्रयुक्त ट्रैक्टर को गुमला के सुरसांग थाना क्षेत्र से बरामद किया है। मामले में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। गिरफ्तार आरोपियों में बालकेश्वर ग्वाला और विजय डुंगडुंग का पूर्व आपराधिक इतिहास भी सामने आया है।

राजीव गांधी की जयंती पर बागबेड़ा में श्रद्धांजलि सभा

जमशेदपुर : भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की जयंती पर 20 अगस्त को बागबेड़ा क्षेत्र में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। हरहरगुट्टू स्थित पुराना बाजार के समीप वरिष्ठ कांग्रेस नेता जोगिंदर सिंह के आवास पर आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं ने राजीव गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।कार्यक्रम का नेतृत्व घाघीड़ीह मंडल अध्यक्ष रंजन सिंह के साथ जोगिंदर सिंह, राजा ओझा, वेद प्रकाश तिवारी, अनिल सिंह, नवनीत मिश्रा, शुभम झा और संतोष रजक ने किया।कार्यक्रम में राजीव गांधी की 32 वर्ष पुरानी प्रतिमा आकर्षण का केंद्र रही। यह प्रतिमा पिछले तीन दशकों से अधिक समय से जोगिंदर सिंह के आवास पर रखी हुई थी। प्रतिमा की साफ-सफाई के बाद कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकताओं ने माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।वक्ताओं ने कहा कि राजीव गांधी ने आधुनिक तकनीक, संचार और विकास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके आधुनिक भारत के निर्माण के प्रयासों को हमेशा याद किया जाएगा। इस दौरान कार्यकताओं ने प्रतिमा को जल्द उचित स्थान पर स्थापित कराने का संकल्प लिया।

मनोहारी सौंदर्य का अवलोकन करना हो तो आएं समीज आश्रम

संवाददाता

प्रकृति के अनुपम और मनोहारी सौंदर्य का अवलोकन करना हो तो मनोहरपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत अवस्थित समीज आश्रम के आसपास जरूर आएं। प्रकृति की गोद में बसा यह स्थल अपनी अलौकिक प्राकृतिक सुंदरता के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

विगत कुछ दिनों से हो रही बारिश के बाद समीज आश्रम के आसपास का प्राकृतिक नजारा और भी मनमोहक हो गया है। चारों ओर फैली हरियाली, पहाड़ों की श्रृंखलाएं और बादलों से घिरा आसमान यहां आने वाले लोगों को सहज ही अपनी ओर आकर्षित करता है। प्रातःकाल हो या संध्या बेला, पहाड़ों और आसमान का मनोरम दृश्य देखते ही बनता है।

प्रकृति के इस अद्भुत रूप को देखकर लोग भाव-विभोर हो उठते हैं। बड़ी संख्या में लोग यहां पहुंचकर नैसर्गिक सुंदरता का आनंद लेते हैं और प्रकृति के अनुपम दृश्यों

को अपने कैमरे में भी कैद करते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रकृति की गोद में बसा समीज आश्रम और इसके आसपास का क्षेत्र अपने आप में अलौकिक है। यहां की नैसर्गिक सुंदरता न केवल लोगों को आकर्षित करती है, बल्कि यह क्षेत्र की प्राकृतिक धरोहर के रूप में भी विशेष महत्व रखता है। यदि इस स्थल को पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जाए तो यह आने वाले समय में प्रकृति प्रेमियों और पर्यटकों के लिए एक प्रमुख आकर्षण का केंद्र बन सकता है।